Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 276
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 12 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृषि - परिवर्तन का एक ... 4 देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो ... 7 कप्तान गिल ने विराट के रिकॉर्ड की बराबरी ...

संक्षिप्त न्यूज

लोकतंत्र भारत की आत्मा और संविधान पथ-प्रदर्शक दीपस्तंभ हैः बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत लोकतंत्र और समानता का एक जीवंत उदाहरण है तथा संविधान पिछले 75 वर्षों से देश के लिए पथ-प्रदर्शक दीपस्तंभ रहा है।

बिरला ने बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा में राष्ट्रमंडल - एक वैश्विक भागीदार विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते इस बात पर ज़ोर भी दिया कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, समानता इसका संकल्प है और न्याय इसकी पहचान है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य असुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की आवश्यकता है।

बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूंढे जा सकते। उन्होंने खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा के महत्व पर ज़ोर देते हुए दुनिया के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका का उल्लेख किया।

बिरला का कहना था कि भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला प्रमुख देश बन गया है। बिरला ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बताते हुए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधानों का उल्लेख किया।

भारत की प्राचीन लोकतांत्रिक विरासत का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की भावना इसकी प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और ग्राम पंचायत प्रणाली में निहित है।

उन्होंने कहा, संवाद, सहमति और सामूहिक निर्णय लेने की परंपरा ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति बनाया है।

आत्मनिर्भर कृषि का संकल्पः

पीएम मोदी ने दो प्रमुख योजनाओं की शुरुआत की, कांग्रेस पर कसा तंज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कृषि क्षेत्र में 35,440 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली दो प्रमुख योजनाओं, प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित एक विशेष कृषि कार्यक्रम में इन योजनाओं का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, 24,000 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर कटाई के बाद भंडारण क्षमता में वृद्धि, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और चयनित 100 जिलों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है।

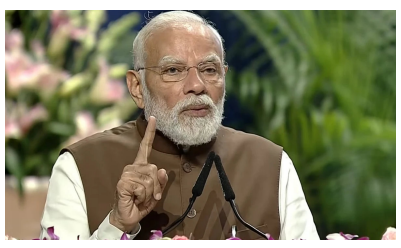

मोदी ने इस दौरान कहा कि आज 11 अक्टूबर का ये दिन बहुत ही ऐतिहासिक है। आज नया इतिहास रचने वाले मां भारती के दो महान रत्नों की जन्म-जयंती

है। भारत रत्न श्री जयप्रकाश नारायण जी और भारत रत्न श्री नानाजी देशमुख... ये दोनों ही महान सपूत ग्रामीण भारत की आवाज थे। लोकतंत्र के क्रांति के अगुआ थे। किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित थे। उन्होंने कहा कि आज इस ऐतिहासिक दिन, देश की आत्मनिर्भरता के लिए, किसानों के कल्याण के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत हो रही है।पहली, पीएम धन धान्य कृषि योजना और दूसरी, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये दोनों योजनाएं भारत के करोड़ों किसानों का भाग्य बदलने का काम करेगी। इन योजनाओं पर भारत सरकार करीब 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने वाली है। उन्होंने कहा कि खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा की हिस्सा रही है। बहुत जरूरी होता है कि बदलते समय के साथ खेती-किसानी को सरकार का सहयोग मिलता रहे। लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों ने खेती-किसानी को अपने हाल पर छोड़ दिया था। इसलिए भारत की कृषि व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही थी। 21वीं सदी के भारत को तेज विकास के लिए अपनी कृषि व्यवस्था में भी सुधार करना आवश्यक था और इसकी शुरुआत 2014 के बाद से हुई।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को कहा कि केंद्र की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने 2004 से 2014 तक सत्ता में रहने के दौरान कृषि क्षेत्र की अनदेखी की थी। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने के बाद से, उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में किसानों को मजबूत बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि तीन पैरामीटरपर पीएम धन-धान्य कृषि योजना के लिए 100 जिलों का चयन किया है। पहला - खेत से कितनी पैदावार होती है। दूसरा - एक खेत में कितनी बार खेती होती है। तीसरा - किसानों को लोन या निवेश की कितनी सुविधा है। इस योजना में हम सरकार के 36 योजनाओं को एक साथ जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 10,000 से ज़्यादा किसान उत्पादक संघ (इइ्थ) बनाए गए हैं।

महिला पत्रकारों से भेदभाव पर चुप्पी से नारी शक्ति पर प्रधानमंत्री के खोखले नारे उजागर हुएः राहुल

नई दिल्ली।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के संवादाता सम्मेलन में महिला पत्रकारों को शामिल होने की अनुमति नहीं दिए जाने से नारी शक्ति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारों का ''खोखलापन बेनकाब'' हुआ है।

गांधी ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने साबित कर दिया कि वह ''इतने कमजोर है कि महिलाओं के लिए खड़े नहीं हो सकते।'' अफगानिस्तान के विदेश मंत्री इन दिनों भारत के दौरे पर हैं।

उन्होंने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ विपक्षीय वार्ता की थी। बाद में उन्होंने अलग से एक संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया था, जिसमें महिला पत्रकारों को शामिल होने की अनुमति कथित तौर पर नहीं थी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, मोदी जी, जब आप महिला पत्रकारों को एक सार्वजनिक मंच से बाहर किए जाने की अनुमति देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को बता रहे हैं कि आप इतने कमजोर हैं कि उनके लिए खड़े नहीं हो सकते।

उन्होंने कहा, हमारे देश में महिलाओं को हर क्षेत्र में समान भागीदारी का अधिकार है। ऐसे भेदभाव के सामने आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों के खोखलेपन को उजागर करती है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी एक्स पर 'पोस्ट' किया, प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी जी, कृपया भारत दौरे पर तालिबान के प्रतिनिधि के संवाददाता सम्मेलन से महिला पत्रकारों को दूर रखे जाने पर अपना रुख स्पष्ट करें।'' उन्होंने कहा, यदि महिलाओं के अधिकारों के बारे में आपकी मान्यता सिर्फ एक चुनाव से दूसरे चुनाव में सुविधाजनक दिखावा नहीं है, तो हमारे देश में भारत की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं के अपमान की अनुमति कैसे दी गई है, एक ऐसा देश जिसकी महिलाएं इसकी रीढ़ हैं और इसका गौरव हैं।

ओवैसी ने विपक्ष को दिखाया आईना, कहा- मुझे कोसने से पहले अपनी कमज़ोरी देखो

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा है, जो एआईएमआईएम पर 'भाजपा की बी टीम' होने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी कमज़ोरियों पर आत्मचिंतन करने के बजाय, वे उनकी पार्टी पर झूठा निशाना साधते हैं। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि लोगों में ऐसी कोई धारणा नहीं है कि उनकी पार्टी भाजपा की 'बी' टीम है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष के कुछ दल इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इन दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है कि 'ओवैसी को हर चीज़ में लाने से बीमारी ठीक हो जाएगी' तो उन्हें कोई समस्या नहीं है।

ओवैसी ने कहा कि ऐसी कोई धारणा नहीं है... अगर आप (विपक्ष) सोचते हैं कि ओवैसी को हर चीज़ में लाने से बीमारी ठीक हो जाएगी, तो मुझे इससे कोई समस्या नहीं है... ऐसी कोई धारणा नहीं है। लोग ऐसी धारणा बनाना चाहते हैं। लेकिन हमने कई बार कहा है, और हम आज फिर कह रहे हैं, कि अगर नरेंद्र मोदी तीन बार इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तो इसमें भारतीय मुसलमानों की कोई गलती नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनावों में लगभग पचास प्रतिशत गैर-मुस्लिम वोट मिल रहे हैं। उन्हें 37-38इ वोट मिल रहे हैं, तो इसमें मेरी क्या भूमिका है? अगर आप मुझे ताज पहनाना चाहते हैं, तो मैं स्वीकार करूँगा। मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

सिद्धरमैया ने जीबीए की पहली बैठक की अध्यक्षता की, नागरिक सुविधाओं पर ध्यान देने का निर्देश दिया

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) की उद्घाटन बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहर के निवासियों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिनमें कचरे का सही तरीके से निपटान, यातायात जाम कम करना और सड़कों का रखरखाव शामिल है।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिया कि शहर को स्वच्छ रखने, उसकी सुंदरता बढ़ाने और जीबीए के तहत आने वाले पांचों नगर निगमों की आय बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएं। नवगठित ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) एक एजेंसी के रूप में काम करेगी, जो समन्वयक की भूमिका निभाएगी। शहर का प्रशासन पांच नगर निगम देखेंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली जीबीए में विधायकों, सांसदों और विधान परिषद सदस्यों समेत 75 सदस्य हैं। हालांकि, भाजपा सदस्यों ने शुक्रवार की बैठक का बहिष्कार किया और कांग्रेस सरकार पर शहर को विभाजित करने और संविधान

के 74वें संशोधन का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिसमें शहरी स्थानीय निकायों को नगर निकाय से जुड़े मामलों में कानून बनाने और उन्हें लागू करने का अधिकार होता है।

भाजपा नेताओं ने बैठक का एजेंडा भेजने में देरी जैसी प्रक्रियागत खामियों को भी बहिष्कार का कारण बताया। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार सिद्धरमैया ने बैठक में कहा, 'सभी नगर आयुक्तों को अपने-अपने क्षेत्र में कर संग्रह बढ़ाना चाहिए। कचरे के निपटान और स्वच्छता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। फुटपाथ यथासंभव चौड़े बनाए जाएं। गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता न किया जाए। यदि अधिकारी ठेकेदारों के साथ मिलीभगत करते हैं, तो गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं हो सकता।'

सिद्धरमैया ने स्पष्ट किया कि ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण के गठन के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को सर्वोत्तम नागरिक सुविधाएं और सुशासन प्रदान करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आने वाले दिनों में सभी को समन्वय के साथ काम करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जन प्रतिनिधियों को जीबीए बैठकों में स्वतंत्र रूप से अपनी राय व्यक्त करने का अवसर मिलता है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, लेकिन कुछ जनप्रतिनिधियों ने यह मौका गंवा दिया। जो लोग बेंगलुरु के विकास के खिलाफ हैं और जो सत्ता के विकेंद्रीकरण के खिलाफ हैं, उन्होंने इस बैठक का बहिष्कार किया है।' कांग्रेस सरकार पर नाडा प्रभु केम्पेगौड़ा द्वारा बसाए गए बेंगलुरु को बांटने का आरोप लगाते हुए, भाजपा नेता आर अशोक ने संवाददाताओं से कहा कि सत्ता में लौटने पर उनकी पार्टी शहर को फिर से एकजुट करेगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या सत्ता के विकेंद्रीकरण का मतलब शहर को बांटना है।

डीके शिवकुमार ने सीएम पद की अटकलों को नकारा, बोले- भ्रम फैलाया जा रहा है

बैंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि लोग भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की थी, बल्कि केवल राज्य के अच्छे दिनों पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि मैंने नेतृत्व के मुद्दे पर कुछ भी नहीं कहा है। इस मुद्दे पर कुछ गलतफहमी है। कुछ निवासियों ने कहा कि अच्छे दिन आने वाले हैं। मैंने कहा, बस इसे देखें।

डीके शिवकुमार ने कहा कि ऐसा नहीं है कि मुझे नहीं पता; कुछ मीडिया वाले भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। आपको भ्रमित होने की ज़रूरत नहीं है। मुझे पता है कि मेरा समय कब है। मेरा समय यह देखने का है कि मैं 2028 में कर्नाटक में कांग्रेस सरकार वापस लाऊँ। यही मेरी प्राथमिकता है। यह तब हुआ जब लालबाग में एक जनसंपर्क अभियान के दौरान एक व्यक्ति ने उनसे कर्नाटक सरकार के बारे में कई सवाल

पूछे।

हालाँकि, राज्य सरकार में मंत्रिमंडल में फेरबदल की खबरें हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 13 अक्टूबर को मंत्रियों की रात्रिभोज बैठक बुलाई है, लेकिन मंत्रिमंडल में फेरबदल की किसी भी अटकल को खारिज करते हुए कहा कि यह एक अनौपचारिक बैठक होगी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि मुझे मंत्रियों को भोजन पर आमंत्रित किए हुए काफी समय हो गया है, इसलिए मैंने उन्हें सिर्फ़ इसी के लिए बुलाया है। इस रात्रिभोज का मंत्रिमंडल में फेरबदल से कोई संबंध नहीं है।

हालाँकि, शिवकुमार ने पिछले हफ़्ते कांग्रेस में अपने सहयोगियों को कर्नाटक सरकार में सत्ता परिवर्तन पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने के ख़िलाफ़ चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर को निर्देश दिया है कि मुख्यमंत्री बदलने की बात करने वालों को नोटिस दिया जाए। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें भाजपा की बातों पर प्रतिक्रिया देने की ज़रूरत नहीं है। उन्हें जो कहना है कहने दीजिए। मैंने अपने कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर को निर्देश दिया है कि उन्हें नोटिस दिया जाए। किसी को भी मुख्यमंत्री पद से संबंधित कुछ नहीं कहना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'मुख्यमंत्री पद के बंटवारे पर चर्चा करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मैं साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम आलाकमान के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं।'

अफगानिस्तान से कोई आतंकी भारत नहीं आएगा, तालिबानी मंत्री से मुलाकात के बाद बोले मदनी

नई दिल्ली। अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खा़न मुत्तक़ी ने शनिवार को ऐतिहासिक दारुल उलूम देवबंद इस्लामी मदरसे का दौरा किया और कहा कि भारत-अफ़ग़ानिस्तान संबंध और मज़बूत होने वाले हैं। भारत की छह दिवसीय यात्रा के तहत, इस यात्रा को बदलते क्षेत्रीय परिदृश्य के बीच एक धार्मिक और कूटनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली से सड़क मार्ग से आए मुत्तकी का दारुल उलूम के कुलपति मुफ़्ती अबुल कासिम नोमानी, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और अन्य पदाधिकारियों ने पुष्प वर्षा के बीच स्वागत किया। सुरक्षाकर्मियों ने कड़े प्रोटोकॉल का पालन किया, लेकिन सैकड़ों छात्र और स्थानीय निवासी उनका स्वागत करने के लिए मदरसे में जमा हुए।

पत्रकारों से बात करते हुए, मुत्तकी ने स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया मैं इस भव्य स्वागत और यहाँ के लोगों

द्वारा दिखाए गए स्नेह के लिए आभारी हूँ। मुझे उम्मीद है कि भारत-अफ़ग़ानिस्तान संबंध और भी मज़बूत होंगे। मुत्तकी की यात्रा को एक महत्वपूर्ण धार्मिक और कूटनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना ??है कि यह पाकिस्तान के उस दावे को चुनौती देता है कि वह देवबंदी इस्लाम का मुख्य रक्षक और तालिबान का प्रमुख समर्थक है। देवबंद की यात्रा करके, मुत्तकी ने संकेत दिया कि तालिबान की धार्मिक जड़ें भारत से जुड़ी हैं, जो तालिबान की कूटनीति में बदलाव और पाकिस्तान पर निर्भरता में संभावित कमी का संकेत देता है।

1866 में स्थापित, दारुल उलूम देवबंद दक्षिण एशिया के सबसे प्रभावशाली इस्लामी संस्थानों में से एक है। इस मदरसे ने ऐसे विद्वान और नेता तैयार किए हैं जो इस्लामी शिक्षा और शासन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। तालिबान दारुल उलूम को एक आदर्श संस्थान मानता है और इसके स्नातकों को अक्सर अफ़ग़ानिस्तान की सरकारी भूमिकाओं में प्राथमिकता दी जाती है। अफ़ग़ानिस्तान में वर्तमान में लगभग 15 छात्र दारुल उलूम में पढ़ रहे हैं, हालाँकि 2000 के बाद सख्त वीज़ा नियमों के कारण छात्रों की संख्या कम हो गई है।

तेज प्रताप यादव ने ठोका तालः 13 अक्टूबर को जेजेडी उम्मीदवारों की घोषणा, महुआ से लड़ेंगे चुनाव

पटना। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के संस्थापक और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पूर्व नेता तेज प्रताप यादव ने शनिवार को बताया कि उनकी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 13 अक्टूबर (सोमवार) को अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। यादव खुद महुआ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, यही वह सीट है जहाँ से उन्होंने 2015 के चुनावों में आरजेडी में रहते हुए जीत हासिल की थी। जेजेडी संस्थापक ने कहा कि मैं परसों अपने उम्मीदवारों की घोषणा करूँगा। परसों बड़ी घोषणाएँ होंगी... मैं महुआ से चुनाव लड़ूँगा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अन्य दलों से बात कर रहे हैं, तो तेज प्रताप यादव ने कहा, 'हर कोई मुझसे मिलने आ रहा है।' तेज प्रताप यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बेटे हैं। एक फेसबुक पोस्ट पर विवाद छिड़ जाने के बाद, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि वह एक महिला के साथ लंबे समय से रिश्ते में हैं, उन्हें नैतिक और सामाजिक मूल्यों के गंभीर उल्लंघन के लिए पार्टी और यादव परिवार से निष्कासित कर दिया गया था। इस विवाद ने इंटरनेट पर कुछ साल पहले सुर्खियों में आए उनके वैवाहिक विवाद को याद दिला दिया। तेज प्रताप ने दावा किया था कि उनका अकाउंट हैक हो गया था।

यादव ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा राय की पोती ऐश्वर्या से विवाह किया था। हालाँकि, कुछ ही महीनों के भीतर, ऐश्वर्या ने यह आरोप लगाते हुए उनका घर छोड़ दिया कि उनके पति और ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया है, और इस जोड़े की तलाक की याचिका पारिवारिक अदालत में लंबित है। राजद से निष्कासन के बाद, तेज प्रताप यादव ने जेजेडी की स्थापना की।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने डिजिटल दौर में लड़कियों की असुरक्षा पर चिंता जताई

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने शनिवार को ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और 'डिजिटल स्टॉकिंग' के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा और डीपफेक तस्वीरों के कारण लड़कियों के विशेष रूप से संवेदनशील स्थिति में होने को लेकर चिंता जाहिर की।

उन्होंने इस संदर्भ में विशेष कानून बनाए जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों व नीति निर्धारकों को विशेष प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया। 'डिजिटल स्टॉकिंग' इंटरनेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके किसी व्यक्ति को परेशान करना, धमकाना या उसका पीछा करने को कहते हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने यूनिसेफ, भारत के सहयोग से उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति (जेजेसी) के तत्वावधान में आयोजित 'बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर' विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में अपनी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि संवैधानिक और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश भर में अनेक बालिकाओं को अब भी उनके मौलिक

अधिकारों और यहां तक कि जीवन-निर्वाह के बुनियादी साधनों से भी वंचित रहना पड़ रहा है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और हानिकारक प्रथाओं तथा अन्य गंभीर जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल उसके शरीर की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उसकी आत्मा को मुक्त करना है। एक ऐसा समाज बनाना जहां वह सम्मान के साथ अपना सिर ऊंचा रख सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों... हमें उन गहरी जड़ें जमाए हुए पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का सामना करना होगा और उन पर विजय प्राप्त करनी होगी जो लड़कियों को उनके उचित स्थान से वंचित करते हैं।''

रवींद्रनाथ टैगोर की कविता ''व्हेयर द माइंड इज विदाउट फियर'' को याद करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि इसमें बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जो कुछ हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है, उसका सार समाहित है। उन्होंने कहा, ''यह सपना तब तक अधूरा रहेगा जब तक हमारे देश में कोई भी लड़की भय में रहेगी - हिंसा के भय में, भेदभाव के भय में, या सीखने और सपने देखने के अवसर से वंचित होने के भय में।

उत्तराखंड में सतत विकास के लिए सरकार प्रतिबद्धः पुष्कर सिंह धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सतत विकास के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए शुक्रवार को कहा कि अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के बीच संतुलन सुनिश्चित करने के लिए राज्य में नौ सूत्री नीति शुरू की गयी है।

यहां दून विश्वविद्यालय में शुरू हुए 'इंडियन एसोसियेशन आफ सोशल साइंस इन्सटीटयूशन्स (आईएएसएसआई)' के 24वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर धामी ने कहा कि सरकार राज्य में आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखते हुए सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''सरकार ने अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के बीच संतुलन सुनिश्चित करने के लिए नौ सूत्री नीति शुरू की है जो सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।'' इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश भर से 400 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों के संदर्भ में सतत विकास, जलवायु लचीलापन और आजीविका सुरक्षा जैसे मुददों पर विचार-विमर्श करेंगे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय, गरीबी उन्मूलन और समावेशी विकास पर सरकार के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से उत्तराखंड जैसे संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कृत्रिम बौद्धिकता जैसी उभरती हुई तकनीकों को अपनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

महाराष्ट्र सरकार का किसानों के लिए राहत पैकेज इतिहास का सबसे बड़ा मजाकः उद्धव

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार द्वारा किसानों के लिए घोषित हालिया राहत पैकेज को शनिवार को इतिहास का "सबसे बड़ा मजाक" करार दिया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यदि महाराष्ट्र सरकार बाढ़ और बारिश से प्रभावित किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी की घोषणा करने में विफल रहती है तो किसान सड़कों पर उतरेंगे।

ठाकरे ने कहा, "महाराष्ट्र सरकार द्वारा किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता

इतिहास का सबसे बड़ा मजाक है।" उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में महाराष्ट्र के दौरे पर किसानों के बारे में कुछ नहीं कहा। मोदी ने बुधवार को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया था। ठाकरे ने यह भी कहा कि भारी बहुमत के बावजूद, सरकार राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त करने से डर रही है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, राज्य सरकार ने बारिश और बाढ़ के कारण भारी नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए 31,628 करोड़ रुपये के मुआवजे के पैकेज की घोषणा की थी और कहा था कि कुल सहायता 48,000 रुपये प्रति हेक्टेयर होगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि सरकार समय आने पर ऋण माफी की घोषणा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को हुए नुकसान पर केंद्र को सौंपने के लिए एक व्यापक ज्ञापन तैयार किया जा रहा है।

महायुति सरकार हर मुंबईवासी के लिए आवास के बाल ठाकरे के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धः शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि राज्य की महायुति सरकार बाल ठाकरे (दिवंगत) के हर मुंबईवासी विशेषकर गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए आवास के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह सपना महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा), महाराष्ट्र नगर एवं औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (सिडको), स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर संचालित आवास पहलों के माध्यम से साकार हो रहा है।

वह ठाणे में म्हाडा के कोंकण प्रभाग आवास लॉटरी समारोह में बोल रहे थे, जहां पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से 5,354 मकान और 77 भूखंड आवंटित किए गए। शिंदे ने कहा कि पारदर्शी लॉटरी प्रणाली म्हाडा में जनता के नए विश्वास को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, " घर सिर्फ़ चार दीवारों का ढांचा नहीं होता बल्कि यह हर परिवार की सुरक्षा, स्वाभिमान और खुशी की नींव होता है। बालासाहेब ठाकरे का हमेशा से सपना था कि हर मुंबईवासी खासकर गरीब और मज़दूर वर्ग का अपना घर हो। आज वह सपना साकार हो रहा है।"

उन्होंने कहा, " बालासाहेब का सपना राजनीतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक था। यह हर मुंबईवासी को सम्मान दिलाने के बारे में था। वह सपना अब हकीकत बन रहा है। शिंदे के अनुसार म्हाडा राज्य भर में पहले ही नौ लाख से ज़्यादा घर बना चुका है। उन्होंने दावा किया कि लॉटरी प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता है तथा इसमें किसी भी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप या पक्षपात नहीं किया जाता है।

डरेंगे नहीं, अंत तक लड़ेंगे...आर्यन केस को लेकर बोले समीर वानखेड़े

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े ने आर्यन खान की पहली नेटफ्लिक्स सीरीज़ 'द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड' के निर्माता शाहरुख खान और गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। वानखेड़े ने आखिरकार इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और अपने द्वारा दायर मुकदमे के बारे में बात की है। अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि उनके परिवार को तब से धमकियाँ मिल रही हैं। 8 अक्टूबर को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने मानहानि मामले में नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज़ दोनों को नोटिस जारी किया। समीर वानखेड़े ने दावा किया कि मानहानि के आरोप द बाङङङ्स ऑफ़ बॉलीवुड में एक अधिकारी के चित्रण से उपजे हैं, जो उनसे मिलता-जुलता है। वानखेड़े की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट को नोटिस जारी किया गया है।

मुंबई एनसीबी के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े ने रेड चिलीज़ और नेटफ्लिक्स के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने इस मामले के परिणामस्वरूप अपने परिवार को हो रहे उत्पीड़न का भी आरोप लगाया। उन्होंने एएनआई

से कहा मेरा व्यक्तिगत मानना ??है कि इसका मेरे काम या पेशे से कोई लेना-देना नहीं है। अपनी व्यक्तिगत क्षमता में मैंने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मैं अदालती कार्यवाही या इससे जुड़े मुद्दों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है... यह स्वाभिमान, व्यक्तिगत गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान का मामला है। आप जो भी व्यंग्य या पैरोडी बनाएँ, अपने लोगों के साथ करें।

उन्होंने आगे कहा कि आज, नशीली दवाओं के दुरुपयोग का मुद्दा हमारे देश के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है, और ऐसी चीजों को उजागर करके, आप न केवल एक व्यक्ति का अपमान कर रहे हैं, बल्कि उन लोगों का भी अपमान कर रहे हैं जिन्होंने मेरे साथ काम किया है, और अन्य जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते हैं... मेरे परिवार का मेरे पेशे से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें मेरे मामलों, मेरे पेशे से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन वे इस तरह की चीजों का खामियाजा क्यों भुगत रहे हैं? पाकिस्तान, यूएई और बांग्लादेश से नफरत भरे संदेश आ रहे हैं। मैं यह स्वीकार नहीं करूंगा कि मेरी वजह से उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है... हमने नियमित रूप से पुलिस को उन धमकियों के बारे में सूचित किया है जो मेरी बहन और मेरी पत्नी को मिलती रहती हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में वृद्धि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेल द्वारा समावेशी और सुलभ परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और अहम पहल करते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए आधुनिकतम सुविधाओं की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई गई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य सभी यात्रियों के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना है, जो सार्वभौमिक सुगम्यता और यात्री सुविधा के प्रति भारतीय रेल की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल और गांधीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस दिव्यांगजन यात्रियों के लिए सुगमतापूर्वक चढ़ने और उतरने की सुविधा हेतु इन सुविचारित उपायों का उदाहरण है। व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए एक ढलानदार संरचना प्रदान की गई है, जिसके निर्धारित दरवाजों पर आसान पहचान के लिए दिव्यांगजन लोगो प्रदर्शित किए गए हैं। यह ट्रेन दिव्यांगजन यात्रियों की सहायता के लिए स्वचालित दरवाजों से सुसज्जित है जो आसानी से खुलते

और बंद होते हैं। व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए सुगम पहुँच और आराम सुनिश्चित करने के लिए एक हल्का ढलान भी जोड़ा गया है। उनकी पहुँच को आसान बनाने के लिए निर्दिष्ट डिब्बों में पोर्टेबल रैंप उपलब्ध हैं, जिससे व्हीलचेयर का आसानी से आवागमन सुनिश्चित होता है। इसके अलावा, अतिरिक्त आस-पास की जगह वाले विशेष बैठने के क्षेत्र बनाए गए हैं, जिनकी पहचान कोच की साइड दीवार पर लगे दिव्यांगजन लोगो से होती है। यात्रा के दौरान स्थिरता और सुरक्षा के लिए हैंडरेल युक्त व्हीलचेयर पार्किंग की जगह उपलब्ध हैं। आसान पहचान और सुविधा के लिए स्टिकर और साइनेज स्पष्ट रूप से अंकित किए गए हैं।

श्री विनीत ने आगे बताया कि दृष्टिबाधित यात्रियों की सहायता के लिए, सीट संख्या, कोच के प्रवेश द्वार और शौचालय जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर ब्रेल लिपि साइनेज लगाए गए हैं, जिससे स्वतंत्र गतिशीलता और आराम की सुविधा मिलती है।

इन व्यापक अपग्रेडेशनों के साथ भारतीय रेल न केवल सुगम्यता को बढ़ा रही है, बल्कि सभी के लिए बाधा-मुक्त, समावेशी और सम्मानजनक यात्रा के अपने दृष्टिकोण को भी सुदृढ़ कर रही है। मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस पश्चिम रेलवे की एक गौरवशाली उपलब्धि है। यह राष्ट्रीय रेल नेटवर्क पर प्रगति, नवाचार और समावेशिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

ऐसी पहलों के माध्यम से भारतीय रेल गति, आराम और समावेशिता को एकीकृत करके आधुनिक रेल यात्रा के मानकों को पुनः परिभाषित करना जारी रखे हुए है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक यात्रा न केवल कुशल हो, बल्कि सभी यात्रियों की आवश्यकताओं के प्रति समान और सम्मानजनक भी हो।

आचार्य पवन त्रिपाठी को ज्योतिष विज्ञान समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया

ज्योतिष भी एक दिन सारी दुनिया में योग की तरह प्रतिष्ठित होगा- आचार्य पवन त्रिपाठी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

देश की अति प्राचीन और प्रतिष्ठित संस्था ज्योतिष विज्ञान समिति के वाराणसी में हुए राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में श्री सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आरके ग्रैंड होटल, सिगरा वाराणसी में संपन्न हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रथम दिवस समिति के संपूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय के कुलपति श्री बिहारी लाल शर्मा , समिति के अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय जी , प्रो. रामचंद्र पांडेय जी , श्री कामेश्वर उपाध्याय जी , प्रो. विनय पांडेय जी , उपाध्यक्ष प्रो. चंद्रमा पांडेय, महामंत्री प्रो. सदानंद शुक्ल, कोषाध्यक्ष प्रो चंद्रमौली उपाध्याय तथा राजीव नारायण पांडेय आयोजक ने आचार्य पवन त्रिपाठी को सम्मानित

किया। बता दें कि आचार्य त्रिपाठी ज्योतिष पत्रिका एस्ट्रोलॉजी टुडे के संपादक हैं। मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष हैं। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष तथा अनेक पुस्तकों के लेखक भी हैं। इस अवसर पर 'ज्योतिष शास्त्र के आलोक में भारत का भविष्य एवं उसका वैश्विक प्रभाव' विषय पर आयोजित परिचर्चा में सहभागिता करते हुए आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि वाराणसी- काशी में सम्मानित होना जीवन का सौभाग्य है और सबसे बड़ा सौभाग्य है कि धर्म व ज्ञान की नगरी काशी में इतने विद्वानों के बीच में सम्मानित हो रहा हूं। काशी का इसलिए महत्व है क्योंकि प्राचीन काल से ही काशी को ज्ञान का केंद्र माना जाता रहा है। पूरी दुनिया में ज्ञान परंपरा, वैदिक समृद्धि, संस्कृति, संस्कार, सनातन, ज्योतिष, काशी से ही गया है। हम ज्योतिष की बात करें तो यह काफी प्राचीन, वैदिक कालीन विज्ञान, विशुद्ध विज्ञान है। नालंदा व तक्षशिला जैसे समकालीन प्रचीन विश्वविद्यालय में ज्योतिष शास्त्र का पठन-पाठन किया जाता था। मैं यहां पर एक बात और बताना चाहूंगा कि पूरी दुनिया को दिशा दिखाने का काम ज्योतिष ने किया है। अधिकांश बड़े कार्यो में, बड़े अभियानों में ज्योतिष का योगदान रहा है और रहता है क्योंकि उन कार्यों और अभियानों का शुभारंभ ज्योतिष के हिसाब से शुभ मुहूर्त देखकर ही होता है और मुझे पूरा का पूरा विश्वास है कि जैसे योग को दुनिया आज स्वीकार कर चुकी है वैसे एक न एक दिन ज्योतिष को भी स्वीकार करेगी और ज्योतिष विज्ञान का डंका पूरी दुनिया में बजेगा।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)।पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल-शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम और साबरमती-हरिद्वार के बीच विशेष किराए पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल-शकूर बस्ती एसी सुपरफास्ट स्पेशल (92 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल-शकूर बस्ती एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रतिदिन मुंबई सेंट्रल से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:00 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती-मुंबई सेंट्रल एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रतिदिन शकूर बस्ती से 10:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां और दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09471/09472 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09471 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 01:30 बजे गांधीधाम पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 11 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09472 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को गांधीधाम से 20:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 13 अक्टूबर से 10 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, हलवद और सामाख्याली स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09425/09426 साबरमती-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल ड28 फेरे. ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल प्रत्येक बुधवार और शनिवार को साबरमती से 08:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:30 बजे हरिद्वार पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09003	मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती (एसी सुपरफास्ट)	15.10.2025 to 29.11.2025	10:30 hrs (प्रतिदिन)	08:00 hrs (अगले दिन)
09004	शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल (एसी सुपरफास्ट)	16.10.2025 to 30.11.2025	10:15 hrs (प्रतिदिन)	10:30 hrs (अगले दिन)
हाल्टः बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां और दिल्ली सफदरजंग स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 3-टियर कोच।				
09471	बांद्रा (टी) - गांधीधाम (साप्ताहिक सुपरफास्ट)	14.10.2025 to 11.11.2025	12:30 hrs (मंगलवार)	01:30 hrs (अगले दिन)
09472	गांधीधाम - बांद्रा (टी) (साप्ताहिक सुपरफास्ट)	13.10.2025 to 10.11.2025	20:20 hrs (सोमवार)	09:45 hrs (अगले दिन)
ठहरावः बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, हलवद और समाखियाली स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे।				

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09003, 09471 और 09472 की बुकिंग 12.10.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराए पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

पश्चिम रेलवे

पार्सल एसएलआर को पट्टे पर देने के अनुबंध हेतु ई-नीलामी

मुंबई मंडल से चलने वाली ट्रेनों में पार्सल एसएलआर को पट्टे पर देने के अनुबंध हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। सूची पहले ही आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की जा चुकी है, विवरण निम्नानुसार हैः -

अनुबंध का प्रकारः पार्सल, श्रेणीः पार्सल एसएलआर

नीलामी सूची संख्या	लॉट संख्या	अनुबंध अवधि
एमएमसीटी-पीएलएस-25-61	05560-एसएलआर-एफ1-यूडीएन-आरएक्सएल-25-2	9 Trips
	05560-एसएलआर-आर1-यूडीएन-आरएक्सएल-25-1	9 Trips
	09031-एसएलआर-आर1-यूडीएन-जेवाईजी-25-1	9 Trips
	09031-एसएलआर-एफ1-यूडीएन-जेवाईजी-25-1	9 Trips
	09075-एसएलआर-एफ1-एमएमसीटी-केजीएम-25-1	9 Trips
	09622-एसएलआर-आर1-बीडीटीएस-एआईआई-25-1	5 Trips
	09075-एसएलआर-आर1-एमएमसीटी-केजीएम-25-1	9 Trips
	19021-एसएलआर-एफ1-यूडीएन-बीएएम-25-1	3 Years
	19021-एसएलआर-आर1-यूडीएन-बीएएम-25-1	

ई-नीलामी की तिथि एवं समयः लॉट के लिए ई-नीलामी 15.10.2025 को दोपहर 12:00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है।

नीलामी सूची संख्या	लॉट संख्या	अनुबंध अवधि
एमएमसीटी-पीएलएस-25-62	09065-एसएलआर-आर1-एसटी-सीपीआर-25-2	03 Months
	20925-एसएलआर-आर1-एसटी-एएमआई-25-2	03 Years

ई-नीलामी की तिथि एवं समयः लॉट के लिए ई-नीलामी 22.10.2025 को दोपहर 12:00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है।

नीलामी सूची संख्या	लॉट संख्या	अनुबंध अवधि
एमएमसीटी-पीएलएस-25-63	12971-एसएलआर-आर1-बीडीटीएस-बीवीसी-25-2	3 Years
	20941-एसएलआर-आर1-बीडीटीएस-जीसीटी-25-3	
	22828-एसएलआर-आर1-एसटी-पुरी-25-1	
	22564-एसएलआर-एफ1-यूडीएन-जेवाईजी-25-1	
	22965-एसएलआर-आर1-बीडीटीएस-बीजीकेटी-25-2	

ई-नीलामी की तिथि एवं समयः लॉट की ई-नीलामी 23.10.2025 को दोपहर 12:00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है।

पार्सल एसएलआर/वीपी की ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी के लिए, www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0695

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on : X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

भंडार विभाग

रेलवे और अन्य विभिन्न स्क्रैप के लिए नवंबर 2025 के दौरान ई-नीलामी बिक्री

विशेष ध्यान देंः सभी इस्पात क्रेता और री-रोलर

रेलवे स्क्रैप, रेल स्क्रैप और अन्य विभिन्न स्क्रैप सामग्री के निपटान के लिए सार्वजनिक ई-नीलामी नवंबर 2025 में नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगीः

पहला दौर	दूसरा दौर	डिपो/डिवीजन	प्रभारी अधिकारी	सम्पर्क नं0
03/11/2025	17/11/2025	रतलाम	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक-रतलाम	07412230080 09752492750
04/11/2025	18/11/2025	वडोदरा	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक-वडोदरा	02652641592 09724091750
06/11/2025	19/11/2025	भावनगर	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक-भावनगर	02782444360 09724097750
07/11/2025	20/11/2025	साबरमती	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक-साबरमती	07927500080 09724093774
10/11/2025	21/11/2025	दाहोद	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक-दाहोद	02673241295 09724090455
11/11/2025	24/11/2025	मुंबई सेंट्रल	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक-मुंबई सेंट्रल	022-23094142 09004499006
12/11/2025	25/11/2025	अहमदाबाद	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक-अहमदाबाद	07922205888 09724093750
13/11/2025	26/11/2025	प्रतापनगर	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक-प्रतापनगर	0265-2658858 9724045550
14/11/2025	26/11/2025	राजकोट	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक-राजकोट	02812476943 09724093750
14/11/2025	27/11/2025	महालक्ष्मी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक-महालक्ष्मी	022-24929571 09004495750
14/11/2025	27/11/2025	पारदी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक-महालक्ष्मी	022-24929571 09004495750

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संबंधित डिपो/मंडल अधिकारी से संपर्क करें। नोटः 1. रेलवे ई-नीलामी से किसी भी लॉट को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखता है। 2. ई-नीलामी निर्धारित समय पर शुरू होगी। 3. ई-नीलामी कैटलॉग www.ireps.gov.in ई-नीलामी पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। 4. ई-नीलामी, डिजिटल हस्ताक्षर, पंजीकरण प्रक्रिया और भागीदारी के संबंध में किसी भी सहायता के लिए, कृपया उपर्युक्त डिपो/मंडल अधिकारी से संपर्क करें। 5. सभी भुगतान लेनदेन ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से किए जाएँगे।

(सं. एस/एसआईआईआई/नीलामी कार्यक्रम-1/नवंबर 2025, दिनांक 06.10.2025)

0693

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on : X.com/WesternRly

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृषि - परिवर्तन का एक नया युगः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुख्यमंत्री द्वारा 'एचपी ड्रीम्स अनलॉक्ड' महोत्सव का उद्घाटन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। 'यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग है। इस परिवर्तनकारी तकनीक के माध्यम से समाज में साक्षरता और समानता प्राप्त की जा सकती है। प्रौद्योगिकी, डिजिटलीकरण और एआई भौगोलिक सीमाओं को पार करते हैं और धन, जाति या भाषा के भेद को मिटाते हैं। इसलिए, इस तकनीक में प्रत्येक भारतीय के विचारों को आकार देने की क्षमता है,' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

वह बांद्रा स्थित महबूब स्टूडियो में एचपी और इंटेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'एचपी ड्रीम्स अनलॉक्ड' महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में एचपी इंडिया की प्रबंध निदेशक इप्सिता दासगुप्ता, मुख्यमंत्री के सलाहकार कौस्तुभ धवसे, मार्केटिंग प्रमुख आकाश भाटिया, कानूनी एवं सरकारी मामलों के प्रमुख राजू नायर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सरकार

ने विभिन्न स्तरों पर एआई को अपनाने की नीति शुरू की है। उन्होंने बताया, 'यह तकनीक सभी के लिए खुली है, जिससे हर व्यक्ति अपने नवोन्मेषी विचारों को वास्तविकता में बदल सकता है। राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश के सहयोग से पहले ही एक डिजिटल मीडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है और अब नई साझेदारियों के माध्यम से आम नागरिकों की उभरती तकनीकों, खासकर एआई तक आसान पहुँच सुनिश्चित करके एक कदम और आगे बढ़ने का लक्ष्य रखा है।'

उन्होंने यह भी बताया कि एआई अनुप्रयोगों ने कृषि क्षेत्र में बदलाव लाना शुरू कर दिया है। हाल ही में पुणे में आयोजित एग्री-हैकाथॉन का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि युवा नवप्रवर्तकों ने ऐसे एआई मॉडल विकसित किए हैं जो वायु घटकों का विश्लेषण करके कीटों के संक्रमण का पूर्वानुमान लगा सकते हैं और किसानों को पहले से सचेत कर सकते हैं - यह एक क्रांतिकारी नवाचार है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'इस तरह के तकनीकी हस्तक्षेप फसलों के नुकसान को रोकेंगे, लागत कम करेंगे और कृषि में लाभप्रदता बढ़ाएंगे।'

उन्होंने आगे कहा कि एआई, ब्लॉकचेन और डिजिटलीकरण ने न केवल उद्योगों में क्रांति ला दी है, बल्कि शासन में पारदर्शिता और दक्षता भी बढ़ाई है।

स कार्यक्रम में देश भर के 40,000 से ज़्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया, जिनमें से 40 उत्कृष्ट नवोन्मेषी पहलों को मान्यता और सम्मान दिया गया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने समापन करते हुए कहा, 'इन आशाजनक पहलों में समाज और अर्थव्यवस्था पर ठोस प्रभाव डालने की क्षमता है। सरकार ऐसी परियोजनाओं में भागीदारी के लिए तैयार है जो नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बना सकें।'

परीक्षा से जुड़े विवाद को लेकर संगीत विद्यालय में घुसे दो लोग, 11 छात्रों को बेल्ट-डंडों से पीटा

बीड़। महाराष्ट्र के बीड़ जिले के परली वैजनाथ शहर में एक संगीत स्कूल में परीक्षा से जुड़े विवाद को लेकर दो लोग स्कूल में घुसे और उन्होंने 11 छात्रों पर बेल्ट और डंडों से हमला किया और एक अन्य व्यक्ति को भी पीट दिया। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

यह घटना शुक्रवार सुबह करीब पौने 12 बजे परली वैजनाथ शहर के सिद्धेश्वरनगर इलाके में स्थित श्री नर्मदेश्वर गुरुकुल में हुई। पुलिस ने बताया कि इस हमले में घायल हुए सभी 12 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों की पहचान दिनेश रावसाहेब माने और बालू बाबूराव एकिलवाले के रूप में हुई है। इनके खिलाफ संभाजीनगर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब छात्र स्कूल जा रहे थे, तभी दोनों आरोपी उनके पास पहुंचे और किसी परीक्षा से जुड़े विवाद को लेकर उन्हें धमकाने लगे। इस बात को लेकर बहस हो गई। इसके बाद दोनों आरोपी स्कूल के अंदर घुस गए और वहां तोड़फोड़ की। उन्होंने स्कूल में 11 छात्रों पर बेल्ट और डंडों से हमला कर दिया।

घायल छात्रों को अस्पताल ले जाने के बाद हमलावर दोबारा लौटे और स्कूल संचालक के पिता बालासाहेब शिंदे पर हमला कर दिया। इस हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं। बाद में उन्हें अंबाजोगाई के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह गुरुकुल पिछले तीन वर्षों से अर्जुन महाराज शिंदे चला रहे हैं। इस समय यहां 42 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जो भजन, कीर्तन और मृदंगम जैसे विभिन्न संगीत विधाओं की शिक्षा लेते हैं। साथ ही ये छात्र किसी अन्य स्कूल में अपनी नियमित पढ़ाई भी करते हैं। निरीक्षक धनंजय ढोणे ने बताया कि मामला संभाजीनगर थाने में दर्ज किया गया है। गुरुकुल के प्रमुख अर्जुन महाराज शिंदे ने हमलावरों के साथ किसी भी व्यक्तिगत विवाद से इनकार किया।

उन्होंने कहा, हम तीन साल से इस गुरुकुल को चला रहे हैं और हमलावरों के साथ हमारा कोई व्यक्तिगत झगड़ा नहीं है। इसके बावजूद, वे स्कूल में घुस आए और छात्रों तथा मेरे पिता पर हमला किया।

विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत सोलापुर रेलवे स्टेशन पर 'अमृत संवाद' का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने रेलवे अधिकारियों, यात्रियों और हितधारकों के बीच सीधे संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रहे विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत सोलापुर रेलवे स्टेशन पर 'अमृत संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया।

भारतीय रेल की नागरिक सहभागिता और निरंतर सेवा सुधार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, अमृत संवाद पहल मंडल के विभिन्न अमृत स्टेशनों पर आयोजित की जा रही है। सोलापुर में आयोजित इस कार्यक्रम में यात्रियों, चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों को यात्री अनुभव और स्टेशन सुविधाओं को बेहतर बनाने पर एक सार्थक संवाद के लिए एक साथ लाया गया।

बातचीत के दौरान, निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुईः

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए गए सुधारों का मूल्यांकन

चल रहे विकासात्मक पहलों के बारे में नागरिकों से प्रतिक्रिया

यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए सुधार के अन्य क्षेत्रों की पहचान

भारतीय रेल की विकास यात्रा में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना

स्वच्छता बनाए रखने और स्टेशन के रखरखाव में यात्रियों की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना

मंडल रेल प्रबंधक, सोलापुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों जैसे सीनियर डीसीएम, सीनियर डीईएन (को) सीनियर डीईई (जी) तथा एडीईएन (जी एस यू) ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और भविष्य में स्टेशन के सुधार के प्रयासों का मार्गदर्शन करने के लिए बहुमूल्य जानकारी एकत्र की।

अमृत संवाद ने रेलवे और उसके उपयोगकर्ताओं के बीच एक सेतु का काम किया और पारदर्शिता, समावेशिता और नागरिक-केंद्रित पहलों के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। इसने यात्री सुविधाओं, बुनियादी ढाँचे और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के प्रति सोलापुर मंडल के समर्पण को भी दर्शाया।

नवी मुंबई के स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम ने 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया और नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह का बड़े उत्साह के साथ समापन किया। मराठी भाषा और साहित्य प्रेमी नागरिकों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इन नगर-स्तरीय कार्यक्रमों के समान, 21 जुलाई, 2025 के सरकारी परिपत्र के अनुसार, जैसा कि नवी मुंबई नगर निगम शिक्षा विभाग की ओर से उपायुक्त श्री संघरत्न खिल्लारे द्वारा बताया गया है, शहर के सभी प्रबंधन और माध्यमिक विद्यालयों के साथ-साथ नगर निगम के विद्यालयों में भी 3 से 9 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें से कुछ विद्यालयों में विद्यालय स्तर पर पुस्तकालय पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर अभिभावकों को भी विद्यालय में बुलाकर विभिन्न लेखकों के बारे में जानकारी दी गई, प्रख्यात लेखकों की पुस्तकें दी गईं और उन्हें मराठी पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया जो ज्ञानवर्धन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

इसी प्रकार, यह ध्यान में रखते हुए कि लिखावट व्यक्तित्व का दर्पण है, विद्यार्थियों को स्कूली जीवन से ही सुंदर लिखावट सिखाई जानी चाहिए और यह उनकी आदत बन जानी चाहिए। लिखावट सुंदर और सुपाठ्य हो, इस बात को ध्यान में रखते हुए, विद्यार्थियों को 'लिखावट कैसे सुधारें' और 'अच्छी लिखावट के नियम' पर विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क मार्गदर्शन दिया गया।

विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा स्वयं रचित कविताएँ सुनाने की पहल भी की गई। इस अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों और कुछ अभिभावकों द्वारा प्रसिद्ध कवियों की कविताओं का पाठ भी किया गया। विद्यार्थियों की कविताओं का एक प्रतिनिधि संग्रह भी प्रकाशित किया गया।

इसी प्रकार, विद्यालय स्तर पर समूह स्तर पर कक्षावार कहानी वाचन और कविता पाठ का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों ने समूह के रूप में एक साथ कविता पाठ का आनंद लिया।

कुछ विद्यालयों में, सातवीं और आठवीं कक्षाओं के लिए कहावतें और कहावत व्याख्याकार जैसी नवीन पहल लागू की गईं।

मराठी भाषा के प्रसार और संरक्षण को अधिकतम करने तथा आपसी संवाद के माध्यम से मराठी भाषा को जीवित रखने के लिए, अभिभावकों की बैठक में अभिभावकों को मराठी में व्यवसाय करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। छात्रों को शुद्ध भाषा उच्चारण के बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया और उन्हें मराठी भाषा बोलना ज़रूरी बताया गया।

शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह के दौरान, नवी मुंबई के स्कूलों में मराठी भाषा के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। उल्लेखनीय है कि इसमें छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शामिल करके शास्त्रीय मराठी भाषा के महत्व को व्यापक रूप से बताया गया और इस बात पर ज़ोर दिया गया कि इसके विकास में सभी को अपना योगदान देना चाहिए, शिक्षा अधिकारी श्री सुलभा बरघरे ने बताया।

मनपा आयुक्त द्वारा शहरी वन पार्क का उद्घाटन

पर्यावरण संरक्षण और हरित क्राति के लिए 50 हजार वृक्षो का संकल्प

मंत्र भारत। भाईदंर

11 अक्टूबर को, उत्तन स्थित ठोस अपशिष्ट परियोजना क्षेत्र में जापानी मियावाकी अवधारणा के अंतर्गत विकसित शहरी वन/पार्क का उद्घाटन मीरा भयंदर मनपा आयुक्त एवं प्रशासक, राधाबिनोद ए. शर्मा (बी.पी.एस.) के हाथों से हुआ। शहर में हरित पट्टी बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन प्राप्त करने के उद्देश्य से 50,000 पेड़ लगाने की एक व्यापक पहल को क्रियान्वित कर रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करना, दुर्गंध को नियंत्रित करना और शहर की सुंदरता को बढ़ाना है। साथ ही, इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों में वृक्षारोपण की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

इस व्यापक हरित पहल के तहत, मीरा-भायंदर मनपा ने उत्तन स्थित ठोस अपशिष्ट परियोजना क्षेत्र में लगभग 8,600 पेड़ लगाकर एक अनूठा कदम उठाया है। इस पार्क में भारतीय और विशेष रूप से 49 स्थानीय प्रजातियों के पेड़ लगाए गए हैं। यह अभियान अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र के रूप में प्रसिद्ध इस क्षेत्र में हरित क्षेत्र बनाने और पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता को बढ़ाने के संदर्भ में एक आदर्श स्थापित कर रहा है। यह परियोजना केशव सृष्टि संस्था द्वारा क्रियान्वित की जा रही है और एचडीएफसी लाइफ के सीएसआर फंड के माध्यम से इस पहल को साकार किया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद आयुक्त, केशव सृष्टि संस्था के प्रतिनिधियों, एचडीएफसी लाइफ के प्रतिनिधियों, मनपा स्कूल के छात्रों और नगर निगम कर्मचारियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पौधारोपण से पहले, भूमि का संतुलन बनाए रखने के लिए जगह को साफ़ करके 3 फीट गहराई तक खोदा गया और उस पर लाल मिट्टी की डेढ़ फीट की परत चढ़ाई गई। ऊपर से मिट्टी और गोबर का मिश्रण डालकर संतुलन बनाए रखा गया। इसके बाद, व्यवस्थित तरीके से पेड़ों की कतारें लगाई गईं। पेड़ों को आवश्यक पोषण प्रदान करने के लिए प्रत्येक गड्ढे में नीम, कोकोपीट और वर्मीकम्पोस्ट डाला गया। साथ ही, पेड़ों की निरंतर और स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए पौधारोपण के बाद ड्रिप सिंचाई प्रणाली भी लगाई गई है।

मीरा-भायंदर मनपा , केशव सृष्टि और एचडीएफसी लाइफ के संयुक्त प्रयासों से कार्यान्वित यह पहल प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण और नागरिकों के स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक कदम है। विभिन्न स्थानीय वृक्ष प्रजातियों के रोपण से अगले कुछ वर्षों में मीरा-भायंदर नगर निगम क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ेगा, हवा स्वच्छ होगी और पर्यावरण को अधिक लचीला बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही, ऐसी पहलों को सफल बनाने के लिए तीनों पीपीजी यानी सार्वजनिक, निजी और सरकारी की संयुक्त भागीदारी आवश्यक है। साथ ही, वृक्षारोपण के बाद उनका संरक्षण और संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ऐसा मनपा आयुक्त ने अपने विचार रखे।

कांग्रेस ने फडणवीस की तुलना मुगलों से की, अव्यवस्था का लगाया आरोप; भाजपा ने भी किया पलटवार

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में जारी गर्माहट के बीच राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर बड़ा जुबानी हमला बोला। उन्होंने फडणवीस की तुलना मुगल शासकों से कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि फडणवीस राज्य में अव्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं और गलत काम करने वाले मंत्रियों को बचा रहे हैं। सपकाल ने कहा कि जैसे पहले मुगल थे, वैसे ही अब राज्य में फडणवीस की 'शाही' चल रही है। सपकाल ने कटाक्ष करते हुए कहा कि महायुति के मंत्रियों को खुली छूट है 'जो करना है करो, फडणवीस आपके साथ हैं।

बता दें कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बयान तब आया जब फडणवीस ने एक दिन पहले कहा था कि गैंगस्टर निलेश घायवाल के भाई सचिन घायवाल को कोई हथियार लाइसेंस नहीं दिया गया है। लेकिन विपक्ष का आरोप है कि पुणे पुलिस की आपत्तियों के बावजूद सचिन को लाइसेंस दिया गया।

इसमें गृह राज्यमंत्री योगेश कदम की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

जूताकांड और किसान कर्जमाफी की मांग

सपकाल कल्याण में डिप्टी पुलिस कमिश्नर के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठे थे। यह प्रदर्शन उस घटना के खिलाफ था जिसमें वरिष्ठ वकील राकेश किशोर ने बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। सपकाल ने इसे संविधान और न्यायपालिका का अपमान बताया। उन्होंने किसान कर्जमाफी की भी मांग दोहराई।

भाजपा का पलटवार- इटली के मानसिक गुलाम

वहीं कांग्रेस नेता के बयान पर भाजपा ने भी पलटवार कर जमकर निशाना साधा। पार्टी के मीडिया प्रमुख नवनाथ बन ने सपकाल की तुलना जलियांवाला बाग के जनरल डायर से की। उन्होंने कहा कि जनरल डायर ने गोलियां चलाई थीं, सपकाल अब ज़ुबानी ज़हर फैला रहे हैं। ये लोग आज भी इटली के गुलाम हैं। इनके लिए भारत नहीं, केवल सोनिया गांधी की दरबार ही सब कुछ है। उन्होंने फडणवीस को किसानों और महाराष्ट्र की शान बताया और कहा कि जनता ऐसे नेताओं को वोट के जरिए जवाब देगी।

कांग्रेस कार्यकर्ता से बदसलूकी पर भी विरोध

इसके साथ ही इस दौरान पिछले महीने भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर मोदी की मॉर्फ की गई फोटो शेयर करने पर एक कांग्रेस कार्यकर्ता को साड़ी पहनाकर सरेआम बेइज्जत किया। कांग्रेस ने इस मामले में एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम के तहत केस दर्ज करने की मांग की है।

दिवाली को लेकर क्या बोल गए NCP विधायक संग्राम जगताप? अजित पवार बोले- जारी करेंगे कारण बताओ नोटिस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र में एनसीपी गुट के विधायक संग्राम जगताप के दिवाली की खरीदारी को लेकर दिए गए बयान पर सियासत तेज हो गई है। आरोप-प्रत्यारोप की बीच अब पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी इस मामले में सक्रिय हो गए है। इसके तहत उन्होंने मामले में संज्ञान लेते हुए पार्टी के विधायक संग्राम जगताप को उनके कथित विवादित बयान के लिए कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज नोटिस) भेजने की बात कही है। पवार ने शनिवार को कहा कि पार्टी विधायक संग्राम जगताप को उनके बयान के लिए कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज नोटिस) भेजा जाएगा। बता दें कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार उन मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिनमें जगताप पर लोगों से दिवाली पर केवल हिंदू दुकानदारों और व्यापारियों से खरीदारी करने की अपील करने का आरोप लगाया गया था। जगताप पर यह आरोप है कि उन्होंने लोगों से दीवाली की खरीदारी सिर्फ हिंदू दुकानदारों से करने की अपील की थी।

मीडिया में आई इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि यह बयान पूरी तरह से गलत है। जब पार्टी की नीतियां और उद्देश्य पहले से तय हैं, तो किसी विधायक को इस तरह की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। पार्टी इसे कतई स्वीकार नहीं करेगी।

संग्राम जगताप अहमदनगर (अब अहिल्यानगर) विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। इस पर बात करते हुए अजित पवार ने कहा कि जब तक अरुणकाका जगताप (संग्राम के पिता) जीवित थे, तब तक सब कुछ ठीक था। अब हम पर अतिरिक्त बोझ महसूस हो रहा है। कुछ लोगों को यह समझना चाहिए कि पिता की छत्रछाया नहीं रहने पर उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए।

सम्पादकीय

हरियाणा शिक्षक स्थानांतरणः नीति, प्रक्रिया और भ्रम

(वित्त विभाग की स्वीकृति, स्थानांतरण में देरी, दंपत्ति मामले, मध्यावधि स्थानांतरण, ऑनलाइन व्यवस्था, नई नियुक्तियाँ, प्रतिनिधिमंडल और निष्पक्षता के बहाने।)

वित्त विभाग से अतिरिक्त भत्तों की स्वीकृति के बावजूद, फाइलों का बार-बार लंबित रहना कर्मचारियों में भ्रम पैदा करता है। वैवाहिक मामलों में पहले से चल रहे मामलों के बावजूद प्रक्रिया को फिर से शुरू करना इस बात का संकेत है कि नीति को जानबूझकर जटिल बनाया गया है ताकि निर्णय लेने में बाधा उत्पन्न हो। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मध्यावधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। इन सभी कारणों से शिक्षक असंतुष्ट हैं और शिक्षा की गुणवत्ता और संतुलन बनाए रखने के लिए स्थानांतरण प्रक्रिया को स्पष्ट, समयबद्ध और निष्पक्ष बनाना चाहते हैं। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि मध्यावधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन वास्तव में, प्रशासन अक्सर इसे बहाने के तौर पर इस्तेमाल करता है। केवल एक पारदर्शी, समयबद्ध और निष्पक्ष प्रक्रिया ही शिक्षकों और छात्रों के हित में स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकती है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा में शिक्षकों के स्थानांतरण और नियुक्ति की प्रक्रिया वर्षों से विवाद और असंतोष का विषय रही है। शिक्षकों और कर्मचारियों का मानना ??है कि नीतियाँ, अपनी घोषणाओं में स्पष्ट होते हुए भी, वास्तव में जटिल और पेचीदा हैं। यह मुद्दा केवल कर्मचारियों के हितों का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण शिक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, निष्पक्षता और गुणवत्ता का भी है।

वित्त विभाग द्वारा किसी पद को स्वीकृत किए जाने के बाद भी, स्थानांतरण प्रक्रिया में अक्सर अनावश्यक देरी हो जाती है। ऐसा बजटीय बाधाओं, दस्तावेज़ीकरण या प्रशासनिक स्तर पर बार-बार अनुमोदन की अनावश्यक आवश्यकता के कारण होता है। यह देरी न केवल प्रक्रिया को धीमा करती है, बल्कि नीति के उचित और समय पर कार्यान्वयन में भी बाधा डालती है। कर्मचारी महीनों तक अनिश्चितता में रहते हैं, जिससे उनका मनोबल गिरता है और शिक्षा प्रणाली की दक्षता प्रभावित होती है।

विवाहित मामलों में, जहाँ शिक्षक अपने जीवनसाथी के साथ पदस्थापन चाहते हैं, पहले से लंबित मामलों के बावजूद पुनर्परीक्षण और अनुमोदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। इससे कर्मचारियों को अनावश्यक असुविधा होती है और नीति की जटिलता उजागर होती है। यह इस बात का भी संकेत है कि प्रशासन कभी-कभी जानबूझकर प्रक्रिया को लंबा खींचता है।

थानांतरण को रोकने में कई कारक शामिल होते हैं। दीर्घकालिक कर्मचारी अपने पद छोड़ने से हिचकिचाते हैं। यूनियनें और संगठन अपने सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करते हैं। इसके अलावा, प्रशासन अनुभवी कर्मचारियों को संवेदनशील पदों पर लंबे समय तक बनाए रखना पसंद करता है। इन सभी कारणों से, स्थानांतरण प्रक्रिया अक्सर संतुलित और निष्पक्ष नहीं होती।

शिक्षा मंत्री ने प्रेस में कहा था कि मध्यावधि स्थानांतरण लागू किए जाएँगे, लेकिन वास्तव में, इसका कोई वास्तविक प्रभाव नहीं दिखता। यह विरोधाभास कर्मचारियों में भ्रम और असंतोष पैदा करता है। घोषणाओं और वास्तविक कार्यान्वयन के बीच यह अंतर यह संदेश देता है कि केवल बयानों से नीति कार्यान्वयन नहीं होता।

जबकि अन्य विभागों में ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली सुचारू रूप से लागू हो रही है, शिक्षा विभाग में यह प्रक्रिया धीमी और जटिल बनी हुई है। यह केवल तकनीकी कठिनाइयों के कारण नहीं है। प्रशासनिक प्रतिरोध, पारंपरिक कार्य संस्कृतियाँ और स्थानीय अधिकारियों की प्राथमिकताएँ, ये सभी इसमें योगदान करती हैं। जब तक सभी पक्ष पारदर्शिता और समय पर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं करते, ऑनलाइन प्रणाली प्रभावी नहीं हो सकती।

नई नियुक्तियों के समय पर्याप्त पद उपलब्ध होने के बावजूद, स्थानांतरण में देरी हो रही है। इससे यह सवाल उठता है कि क्या कर्मचारियों को जानबूझकर हटाया जा रहा है या कुछ को विशेषाधिकार दिया जा रहा है। आगामी वर्ष में जनगणना के कारण स्थानांतरण न होने की संभावना इस मुद्दे को और जटिल बना देती है।

प्रतिनिधिमंडल की प्रथा भी एक समस्या बनी हुई है। इसमें कर्मचारियों को विशिष्ट पदों या स्थानों पर नियुक्त करना शामिल है। यह न केवल पारदर्शिता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि पक्षपात और प्रशासनिक भेदभाव को भी बढ़ावा देता है। यदि इसे रोका जाए और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई की जाए, तो शिक्षकों और विभाग दोनों को लाभ होगा।

इन सभी जटिलताओं के बावजूद, शिक्षक समुदाय चाहता है कि नीति स्पष्ट, समयबद्ध और निष्पक्ष हो। केवल घोषणाओं और प्रेस विज्ञप्तियों से समस्या का समाधान नहीं होगा। प्रशासन को ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाना होगा और पक्षपात और व्यक्तिगत लाभ पर आधारित निर्णयों को रोकना होगा। शिक्षकों और छात्रों को यह विश्वास होना चाहिए कि स्थानांतरण प्रक्रिया शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और संतुलन बनाए रखने के लिए है, न कि व्यक्तिगत लाभ के लिए।

हरियाणा की शिक्षक स्थानांतरण नीति न केवल जटिल और पेचीदा है, बल्कि इसका कार्यान्वयन भी असंगत और निष्पक्ष है। प्रशासनिक देरी, अनावश्यक अनुमोदन, पक्षपात और तकनीकी बाधाओं के कारण शिक्षकों में असंतोष है। इससे शिक्षा प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

सरकार को स्पष्ट नियमों और नीतियों को लागू करना चाहिए, समयबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करनी चाहिए, ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाना चाहिए,

देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो एग्रेसिव मोड पर राजस्थान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट से एक बात साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लिए भी धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका चाहे यूक्रेन पर दबाव बना रहा हो या कनाड़ा को राज्य के रुप में घोषित कर अमेरिका में मिलाने की छटपटाहट हो या अन्य देशों की और भ्रकुटी तानने या मेल मिलाप के प्रयास हो सब कुछ इस खनिज संपदा को लेकर ही है। आज चाइना की मोनोपोली देखने को मिल रही है उसका बड़ा कारण भी उसके पास रेयर अर्थ एलिमेंट सहित आज के बदलते युग की मांग को पूरी करने वाली पुरासंपदा के अथाह भण्डार के कारण ही है। ऐसे में वैसे तो दुनिया के देश खनि संपदा को लेकर गंभीर है वहीं हमारे देश में भी केन्द्र और राज्य सरकारें खनिज खोज, खनन और खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कमर कस ली है। ऐसे में राजस्थान सरकार भी माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए आगे आया है। वर्तमान सरकार खासतौर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राजस्थान की सरकार द्वारा योजनाबद्ध प्रयासों के तहत प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनावद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रॅप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है।

अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं। खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है।

प्रमुख सचिव माइन्स टी रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनावद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीध्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारां कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है। डीएमएफटी के कार्य को गति देने और राशि के बेहतर उपयोग की मोनेटरिंग की जिम्मेदारी सौंपते हुए डीएमएफटी फण्ड के अन्य प्रदेशों में उपयोग को लेकर अध्ययन सहित योजना, क्रियान्वयन व मोनेटरिंग का फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा गया है। राज्य सरकार का सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर रहने के साथ ही बदलते परिवेश में यह आवश्यक भी हो गया है। सस्टेनेबल माइनिंग और ऑटोमेशन और तकनीक सेक्टर दल द्वारा स्टार रेंटिंग, बंद व कार्य नहीं कर रही खानों में इको टूरिज्म की संभावनाओं व क्रियान्वयन, डम्प ओवरवर्डन आदि के रिसाइक्लिनिंग व उपयोग, श्रेष्ठ कार्य करने वाली खानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही विभागीय सिस्टम को नई तकनीक से जोड़ने और पेपरलेस करने की दिशा में कार्य दिया गया है। इसी तरह से खनिज क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने, अधिकारियों के रिओरियेंटेशन, खनन क्षेत्र से जुड़े स्टेक होल्डर्स व विभाग के बीच साझा मंच उपलब्ध कराने, देश दुनिया में तकनीक में आ रही बदलाव से रुबरु कराने सहित इस तरह के कार्यों के लिए कॉन्क्लेव, सेमिनार, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा व आयोजन का कार्य किया जाएगा। राज्य सरकार ने पीएमयू गठित कर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही सरकार की ईच्छा शक्ति स्पष्ट कर दी है। अब पीएमयू टीम को जी जान से जुटते हुए माइनिंग के सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए जुट जाना होगा। माइनिंग सेक्टर आज देश दुनिया में महत्वपूर्ण सेक्टर हो गया है। ऐसे में राजस्थान सरकार द्वारा प्रोएक्टिव रोल अपनाने की पहल निश्चित रुप से समय की मांग के अनुकूल है। केन्द्र सरकार भी गंभीर है और क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों की नीलामी का काम तो केन्द्र सरकार ने अपने हाथों में ले लिया है। इसी तरह से केन्द्र सरकार ने मोनेटरिंग सिस्टम को मजबूत करने के साथ ही प्रोत्साहन के रुप में परफोरमेंस के आधार पर खानों की रेटिंग कर पुरस्कृत करने की पहल की है जिससे स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा को माहौल बना है। राजस्थान सरकार ने भी रेटिंग सिस्टम अरंभ करने की पहल की है।

बसपा ने फिर दिखाई ताकत, मायावती के सियासी दांव से सपा को 'तनाव'

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों तक की चहल-पहल दिखने लगी है। इसी क्रम में बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती ने मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कई राजनैतिक संदेश दिए। बहिन मायावती ने अपनी जनसभा में एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करके राजनैतिक विश्लेषकों को हैरान किया तो दूसरी ओर अगले विधानसभा चुनावों में बिना किसी गठबंधन के उतरने की घोषणा भी कर दी है। बसपा के शक्ति प्रदर्शन को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बसपा की बढती ताकत से समाजवादी पार्टी को नुकसान होने जा रहा है। बहिन मायावती ने न केवल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की अपितु यह भी कहा कि यदि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी जुमला न साबित हुआ तो वह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी होंगी। बहिन मायावती अपनी 2007 की रणनीति को अपनाते हुए पुनः सामाजिक न्याय को आधार बनाकर ही चुनावी मैदान में उतरेंगी ऐसा संकेत उनकी रैली से मिलता है। उन्होंने अपनी रैली मे भीड़ जुटा कर यह संदेश दे दिया है कि उनका कोर वोटबैंक जाटव व दलित अभी भी उनके साथ है, भले ही इस समय उनके पास विधानसभा में केवल एक विधायक और मात्र 9 प्रतिशत वोट है। बहिन मायावती अपनी रैली में भाजपा के प्रति नरम व सपा तथा कांग्रेस के प्रति गरम दिखाई पड़ीं। उन्होंने अपनी रैली में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान पर नाटकबाजी कर रही है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाकर बाबा साहब के बनाए संविधान का अपमान किया था। कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी भी सम्मान नहीं किया।उन्होंने केंद्र सरकार में रहने पर उन्हें आयकर और सीबीआई की जांच में फंसाने की कोशिश की ताकि डा. आंबेडकर और कांशीराम के कारवां को रोका जा सके। अब उसी कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। सपा पर तीखा हमला बोलते हुए बहिन मायावती ने कहा कि सपा की सराकर में दलितों व पिछड़ों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ। उन्होंने सपा सरकार की अराजकता पर हमला किया।

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की। जातीय समीकरण साधने के लिए सतीशचंद्र मिश्र के अलावा उमाशंकर सिंह को भी मंच पर जगह दी गई। प्रशंसनीय बात है कि इस रैली की तैयारी बहिन मायावती और उनके कार्यकर्ता बहुत ही शांत व अनुशासित तरीके से कर रहे थे। बसपा व बहिन मायावती अपने वोटर्स के मध्य बहुत समझदारी के साथ संपर्क बनाती हैं और यही कारण है कि उनका वोटबैंक काफी सीमा तक सुरक्षित रहा है; यद्यपि 2017 के बाद जाटव मतदाता में सेंघ लग चुकी है जिसे फिर से भरोसा दिलाकर वापस लाना बहिन जी के लिए एक कठिन चुनौती है। लंबे समय से बहिन जी का नाम तथा आवाज़ केंद्रीय राजनीति से दूर रहने के कारण दलित राजनीति में चंद्रशेखर 'रावण' जैसे लोगों का उभार हुआ है जो बसपा के परम्परागत वोटबैक पर दावा ठोंक रहे हैं।

बसपा सुप्रीमो ने भले ही जोर देकर कहा है कि आगामी चुनावों में प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दी जाएगी किंतु यह फिलहाल संभव नहीं प्रतीत हो रहा हें क्योकि बसपा का जो राजनैतिक समीकरण हे उस आधार पर उन्हें सत्ता प्राप्त करने के लिए कम कम के कम 30 प्रतिशत मतों की आवश्यकता होगी और वह अभी मात्र 9 प्रतिशत ही है। प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में बसपा कार्यकर्ताओं की धरातल पर कड़ी मेहनत के बाद यह मत प्रतिशत 15-20 पहुँच सकता है। बहिन जी ने खुले मंच से जिस प्रकार से योगी जी की प्रशंसा की वह बसपा के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है क्योंकि संभव है इससे प्रदेश का मुस्लिम मतदाता सपा गठबंधन के साथ जाना पसंद करे। भले ही बसपा नेत्री मायावती का 2027 में अपने बलबूते पर सरकार में आने का दावा अतिशयोक्ति हो किन्तु इससे 2027 में सपा-बसपा गठबंधन की चर्चाओं को विराम लग गया है। साथ ही बहिन जी के दावे से सपा गठबंधन के लिए गहरा तनाव और भाजपा के लिए राहत की सूचना आ गई है।

पेट्रोल पुराण : या इलाही ये माजरा क्या है ?

निर्मल रानी

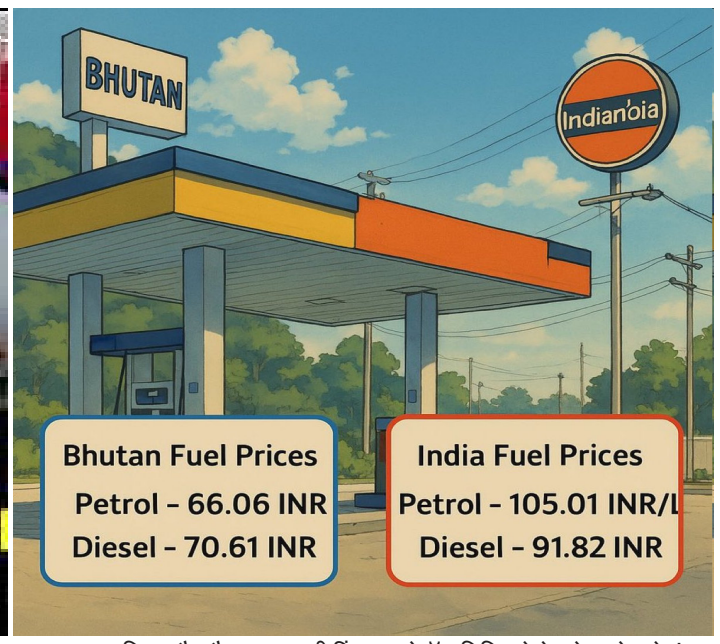

विश्व के अधिकांश देशों में पेट्रोल डीज़ल की क़ीमतें भिन्न भिन्न हैं। प्रत्येक देशों में ईंधन रुपी इन तेलों की क़ीमतों का निर्धारण वहां के टैक्स दर, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय,क़ीमत, करेंसी एक्सचेंज रेट, रिफ़ाइनिंग लागत, स्थानीय मांग और सरकारी नीतियों के आधार पर होता है। इसके अतिरिक्त अधिक आयात शुल्क, वैट, और स्थानीय कर भी ईंधन की क़ीमत के निर्धारण के मुख्य कारक होते हैं। दुनिया के कई देश ऐसे भी हैं जहाँ देश की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने जैसे सड़क निर्माण, इनके रखरखाव व अन्य विकास सम्बन्धी योजनाओं के लिए ईंधन पर भारी टैक्स लगाया जाता है। तेल की क़ीमतों के निर्धारण में तेल उत्पादक देशों से कच्चा तेल आयत करने का ख़र्च भी एक ख़ास वजह होती है। कच्चा तेल आयात करने वाले देशों को चूंकि डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। ऐसे में यदि किसी देश की अपनी मुद्रा, डॉलर के मुक़ाबले कमज़ोर है अथवा कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में बढ़ जाते हैं, तो ईंधन स्वभाविक रूप से महंगा हो जाता है। इसके अलावा अलग-अलग ग्रेड के स्वच्छ ईंधन बनाने में लगने वाली रिफ़ाइनिंग और वितरण की लागत भी तेल की क़ीमत में जुड़ जाती है। मांग और आपूर्ति भी तेल क़ीमतों के निर्धारण का बड़ा कारक होती है। यदि किसी देश में ईंधन की मांग अधिक है, परन्तु इसकी आपूर्ति खपत के मुक़ाबले कम है, तो ईंधन की क़ीमतें बढ़ जाती हैं। जबकि कुछ देशों में पर्यावरण की रक्षा के लिए ख़ास क्लीन फ़्यूल नीतियाँ लागू की जाती हैं, जिससे उत्पादन, वितरण व रिफ़ाइनिंग में लागत बढ़ती है। प्रायः इन सभी कारणों की वजह से ही दुनिया के विभिन्न देशों में ईंधन की क़ीमतें अलग अलग होती हैं। परन्तु आश्चर्य तब होता है जब कोई देश स्वयं कच्चा तेल आयात कर स्वयं ही उसकी रिफ़ाइनिंग कर अपने देश में अपनी जनता को तो ज़रुरत से अधिक महंगा तेल बेचे जबकि वही तेल दूसरे देश में निर्यात होने पर लगभग आधे मूल्य पर बिकता हो? जी हाँ यह हक़ीक़त है भारत के पड़ोसी सीमावर्ती देश भूटान की जहाँ पेट्रोल और डीज़ल का आयात मुख्य रूप से भारत से ही होता है गोया भूटान ईंधन के क्षेत्र में शत प्रतिशत भारत पर ही निर्भर है। चूँकि भूटान में पेट्रोलियम उत्पादों के लिए स्थानीय कच्चे तेल के संसाधन या रिफ़ाइनरी नहीं हैं, इस वजह से 100 प्रतिशत रिफ़ाइंड पेट्रोल और डीज़ल भारत से ही आयातित किया जाता है। परन्तु भूटान में तेल की क़ीमतें भारत की वर्तमान औसत क़ीमत 103-105 प्रति लीटर से काफ़ी कम हैं। जबकि दोनों ही देशों के पंपों पर ज़्यादातर इंडियन ऑयल का ही ईंधन मिलता है। भूटान में इन दिनों तेल का मूल्य भारतीय मुद्रा रुपये के अनुसार पेट्रोल लगभग

?64.38 प्रति लीटर है जबकि डीज़ल का मूल्य लगभग 64.27 प्रति लीटर है। भूटान में ईंधन की क़ीमतों में कमी का सबसे मुख्य कारण यही है कि भूटान सरकार इन पर बहुत ही कम टैक्स लगाती है। दूसरी बात यह भी है कि भारत में पेट्रोल में 20इ इथेनॉल (गन्ने के रस से प्राप्त होने वाला रसायन) मिलाना अब अनिवार्य हो गया है गोया भारत में 20 ईंधन मिलता है। परन्तु भूटान में बिना इथेनॉल के पेट्रोल उपलब्ध है। यानी भूटान में भारत की तुलना में पेट्रोल शुद्ध भी है और क़ीमतें भी अलग हैं। यही वजह है कि सीमावर्ती भारतीय अपने वाहनों में तेल डलवाने भूटान चले जाते हैं। अब रहा सवाल पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का तो दुनिया के कई देशों में पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जाता है। ऐसा करने का मक़सद पर्यावरण पर पड़ने वाले दुषप्रभाव के साथ ही तेल की खपत कम करना बताया जा रहा है। ब्राज़ील, अमेरिका, भारत, और अनेक यूरोपीय देश ऐसे हैं जहाँ पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जाता है। भारत सरकार ने तो पेट्रोल में 20इ इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा कर लिया है और आज यही 20 ईंधन देश के सभी पेट्रोल पंप्स पर उपलब्ध है। अधिकतर पेट्रोल पंप्स पर इस बात की सार्वजनिक सूचना नहीं होती कि उपभोक्ताओं को दिया जा रहा पेट्रोल 10 है या 20, इस जानकारी के अभाव में उपभोक्ता अपने वाहन में 20 भरवा लेते हैं और यही लोग बाद में इंजन पर संभावित दुष्प्रभाव को भी झेलते हैं। पर्यावरण दुष्प्रभाव व तेल की खपत कम करने की ग़रज़ से भले ही भारत सहित दुनिया के अनेक देश पेट्रोल में इथेनॉल क्यों न मिला रहे हों परन्तु इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के प्रयोग से इंजन व वाहन के अन्य पुर्ज़ों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से भी इंकार नहीं किया जा सकता। उदाहरण के तौर पर 20 ईंधन प्रयोग से फ़्यूल पंप्स, इंजेक्टर्स, गास्केट व रबर पार्ट्स पर असर तो पड़ता ही है साथ ही माइलेज में कमी व इंजन के निष्पादन (परफ़ार्मेंस) में गिरावट भी आ सकती है। वाहन निर्माता कंपनियां भी 20 के प्रयोग से वाहन को हुए नुक़सान को वारंटी के अंतर्गत स्वीकार नहीं करतीं न ही इस तरह की कोई जानकारी या सूचना सार्वजनिक रूप से पेट्रोल पंप पर दी जाती है। इन हालात में भारतीय ईंधन उपभोक्ताओं का यह सवाल पूरी तरह जायज़ है कि आख़िर सरकार की यह कैसी नीति है जिसके तहत भारत से निर्यातित पेट्रोल डीज़ल पड़ोसी देश भूटान में तो अत्याधिक सस्ता यानी लगभग 64 रूपये प्रति लीटर के दर पर उपलब्ध है जबकि वही तेल निर्यातक देश भारत के लोगों को 103 रूपये से लेकर 105 रूपये प्रति लीटर तक बेचा जा रहा है? साथ ही भूटान में तो भारत 100 इ शुद्ध तेल भेजता है जबकि भारत में 20इ इथेनॉल मिश्रित कर तेल बेचा जा रहा है। सवाल यह भी है कि क्या प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश भूटान की सरकार को अपने देश के पर्यावरण की फ़िक्र नहीं ? और एक सवाल यह भी कि अनेक प्रकार के करों से राहत देकर जिस तरह भूटान की सरकार भूटान वासियों को तेल की क़ीमत में राहत दे रही है भारत सरकार भी ऐसा क्यों नहीं करती ? भारत के इस निराले 'पेट्रोल पुराण' को लेकर यह सवाल भी ज़रूरी है कि क्या देश के वाहनों में ईंधन में 20इ इथेनॉल मिश्रण के चलते आने वाली दिक़्क़तों व इंजन संबंधी ख़राबियों की फ़िक्र सरकार को नहीं ? या फिर महंगा तेल और मिलावटी तेल का मक़सद तेल कंपनियों,तेल व्यवसायियों को लाभ पहुँचाने के साथ साथ वाहन निर्माता कंपनियों को भी फ़ायदा पहुँचाना और भारतीय वाहन धारकों की जेबें ढीली करना है ? इसीलिये आज पूरा देश इस 'पेट्रोल पुराण' पर यह सवाल पूछ रहा है कि या इलाही ये माजरा क्या है ?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक यात्री सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया, जिसे लगभग 7,000 यात्रियों के लिए बनाया गया

त्योहारों के समय और यात्रा वृद्धि के बीच यात्री सुविधा केंद्र यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करेगाः केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। देश के सबसे व्यस्ततम टर्मिनलों में से एक पर यात्रियों के अनुभव को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाने के लिए, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (एनडीएलएस) पर नवनिर्मित यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया। यह केंद्र लगभग 7,000 यात्रियों की क्षमता के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है, जिससे बोर्डिंग से पहले सुविधा और आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'नए विकसित अत्याधुनिक यात्री सुविधा केंद्र त्योहारों के मौसम में यात्रियों को सुविधा प्रदान करेंगे क्योंकि इस समय यात्रियों की संख्या में वृद्धि होती है। इस प्रकार के यात्री सुविधा केंद्र देश के अन्य स्टेशनों पर भी बनाए जाएंगे।'

नए यात्री सुविधा केंद्र को यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रणनीतिक रूप से तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया हैः 2,860 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग क्षेत्र, 1,150 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग के बाद का क्षेत्र और 1,218 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग से पहले का क्षेत्र। यह स्थान संबंधी विभाजन टर्मिनल के मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ को कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र को व्यापक, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है।

प्रमुख विशेषताऐंः

टिकटिंगः 22 आधुनिक टिकट काउंटर और 25 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (एटीवीएम)।

क्षमता एवं आरामः 200 यात्रियों के बैठने की क्षमता और शीतलता के लिए 18 उच्च मात्रा निम्न गति (एचवीएलएस) पंखे।

स्वच्छता एवं जलः 652 वर्ग मीटर में निर्मित एक समर्पित शौचालय ब्लॉक, साथ ही आरओ आधारित पेयजल।

सूचना एवं सुरक्षाः 24 स्पीकरों के साथ एक यात्री घोषणा प्रणाली, तीन एलईडी इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन सूचना डिस्प्ले, और आधुनिक अग्निशमन प्रणाली की 7 इकाइयां।

सुरक्षाः 18 सीसीटीवी कैमरे, 5 सामान स्कैनर और 5 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) सहित अत्याधुनिक सुरक्षा उपाय।

उत्तर रेलवे ने निर्माण के दौरान कई जटिल चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया, जिनमें एटीएम, दिल्ली पुलिस केबिन और होर्डिंग बोर्ड जैसी मौजूदा संरचनाओं को आवश्यक रूप से खत?म करना और स्थान परिवर्तन करना शामिल था। इसके अलावा, पानी की लाइनों, जल निकासी प्रणालियों और ओएफसी केबलों जैसी आवश्यक उपयोगिताओं का संवेदनशील स्थानांतरण और दैनिक कार्यों में बिना किसी रुकावट के पूरा किया गया।

साथ ही, फुट ओवर ब्रिज 1 (एफओबी 1) के विस्तार के साथ एक आवश्यक बुनियादी ढाँचे को पूरा किया गया। इस विस्तार से यह सुनिश्चित होता है कि नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन से उतरने वाले यात्री अब सीधे मेट्रो स्टेशन की ओर जा सकें, जिससे मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और प्लेटफ़ॉर्म पर भीड़ कम होगी।

केंद्रीय मंत्री के साथ रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने इस सुविधा की योजना और कार्यान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी। इस निरीक्षण ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए रेल मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

छात्रा सैमी यादव एक दिन की बनीं एसीपी, मिशन शक्ति फेज पांच के तहत संभाली कमान

थरवई। सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश की भावना को साकार करते हुए शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम सीनियर सेकेंडरी स्कूल थरवई की कक्षा 12 की छात्रा सैमी यादव ने एक दिन के लिए एसीपी थरवई का पद संभाला। मिशन शक्ति फेज-5 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रा ने थरवई थाना क्षेत्र में आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए।कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों में आत्मविश्वास जगाना और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी का अनुभव कराना था। इस दौरान एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह ने कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्हें अवसर और विश्वास मिले तो वे हर पद की गरिमा निभा सकती हैं। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।स्कूल के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पांडेय, आशुतोष पांडेयविद्यालय की तमाम शिक्षिकाएं मौजूद रही

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से कई झोपड़ियां जलकर राख

दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू, ग्रामीणों ने जताई साजिश की आशंका

चौरी थाना क्षेत्र के चक्र भूमिधर ग्राम सभा स्थित बनवासी बस्ती में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से कई झोपड़ियां जलकर राख हो गईं।

जानकारी के अनुसार, रात करीब 12 से 1 बजे के बीच अचानक सुदामा देवी, रामलाल, वीरेंद्र, छोटेलाल, जमुना, दिनेश और इंद्रावती की झोपड़ियों में आग भड़क उठी। आग की लपटें देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग और चौरी पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची तथा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि किसी शरारती तत्व द्वारा जानबूझकर आग लगाई गई है, जिससे बस्ती में दहशत का माहौल है। इस घटना को लेकर ग्रामीण तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। फिलहाल पीड़ितों की ओर से चौरी पुलिस को तहरीर सौंप दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि आज भदोही जिले में मुख्यमंत्री का आगमन प्रस्तावित है, और दौरे से ठीक पहले इस तरह की घटना होने से प्रशासन भी सतर्क हो गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय कालीन मेला शुभारम्भ कार्यक्रम को सफल बनाने पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस कर्मियों, मीडिया बन्धुओं, भदोहीवासियों को डीएम व एसपी ने दी बधाई

कालीन मेला शुभारम्भ कार्यक्रम में शान्ति व व्यवस्था बनाने में तत्पर रहे सभी पुलिस अधिकारियों/पुलिस कर्मियों की पुलिस अधीक्षक ने की सराहना

भदोही 11 अक्टूबर, 2025:-विश्व प्रसिद्ध कालीन नगरी भदोही की हस्तनिर्मित कालीन की सांस्कृतिक विरासत एवं बुनाई कौशल को बढ़ावा देने के लिए कालीन निर्यात सवर्धन परिषद (सी0ई0पी0सी0) एवं जिला प्रशासन द्वारा कार्पेट एक्सपो मार्ट, कार्पेट सिटी भदोही में आयोजित चार दिवसीय (11-14 अक्टूबर) 49वें इण्डिया एक्सपो मार्ट/चौथे अन्तर्राष्ट्रीय कालीन मेला का मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ जी द्वारा दिव्य व भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों कर्मचारियों, पुलिस कर्मियो, मीडिया बन्धुओं, जनपदवासियों आयोजन पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने उनका आभार व्यक्त करते हुए बधाई व धन्यवाद दिया।

जनपदीय प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यक्रम के विभिन्न स्थलों पर ड्यूटी लगाते हुए उन्हें तैनात किया गया था। जिसका सभी सम्बन्धित अधिकारियों ने बाखूबी उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा जनपद के पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों के आलावॉ दूसरे जनपद के भी पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगायी गई थी। सभी ने कर्तव्य परायणता के साथ आवंटित कार्यो का अनुशासनात्मक व प्रसशनीय दायित्व निभायॉ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी का विशेष योगदान साहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों पुलिस कर्मियों, मीडियॉ कर्मियों, जनपदवासियों, का भी योगदान रहा।

महिलाओं को विभिन्न उपयोगों हेल्पलाइन नंबरों, शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं जनपद के समस्त थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर पंपलेट वितरित किया जा रहा

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत ' अभिमन्यु मांगलिक' पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में एवं शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में समस्त थानों पर तैनात महिला पुलिस कर्मियों/ मिशन शक्ति टीम के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत विद्यालयों, प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन के सम्बन्ध में जागरुक किया जा रहा है ।

इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच / बैड टच तथा उनके अधिकारों व महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव हेतु जागरुक किया गया । महिलाओं / बालिकाओं को बताया गया कि बस/रास्तों/ सार्वजनिक स्थल में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर तत्काल एफ0आई0आर0 के लिए जागरुक किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि) का सावधानी से उपयोग करने एवं जागरुक करने हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश एवं निर्देशों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई । महिला एवं बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया गया व स्वयं नियमें का पालन करते हुए अपने घर व आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन , 181 वीमेन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइवर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

मामूली विवाद में युवक ने की आत्महत्या

चौरी थाना क्षेत्र के जमुआ निवासी लालजी वनवासी के पुत्र धर्म उर्फ ब्लू (27 वर्ष) ने बीती रात कथित रूप से मामूली विवाद के बाद अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

परिजनों के अनुसार धर्म खेती-बाड़ी का कार्य करता था। बताया जा रहा है कि देर रात वह घर से निकल गया और पर्सीपुर रेलवे स्टेशन के समीप डाउनलाइन ट्रैक पर किसी ट्रेन के सामने कूद गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तथा शव की पहचान की। स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने पर चौरी थाना पुलिस भी पहुंची, लेकिन मामला जीआरपी क्षेत्राधिकार का होने के कारण शव को जीआरपी ने अपने कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव में घटना से शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थरवई में आबकारी विभाग की दबिश, 45 लीटर कच्ची शराब बरामद, 450 किलो लहन नष्ट

थरवई (प्रयागराज)। अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया।अभियान के तहत थरवई के बहमलपुर में दबिश दी गई। दबिश के दौरान टीम ने 45 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की, वहीं लगभग 450 किलो लहन को मौके पर नष्ट कर दिया गया।

क्षेत्राधिकारी भदोही द्वारा सुरियावा नगर में किया गया पैदल ग्रस्त

भदोही/ सुरियावा 11 सितंबर 2025 शनिवार को शासन के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी भदोही अशोक कुमार मिश्रा व थाना अध्यक्ष सुरियावा अजीत कुमार श्रीवास्तव के द्वारा सुरियावा नगर के विभिन्न हिस्सों में पैदल ग्रस्त कर लोगों को शांति व सुरक्षा का एहसास दिलाया तथा बताया गया की शांति व सुरक्षा भंग करने वाले अराजक तत्वों पर विशेष निगाह रखी जा रही है

समाधान दिवस में पहुंचीं एसडीएम, तीन राजस्व मामलों का हुआ निस्तारण

थरवई (प्रयागराज)। थाना परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी फूलपुर जूही प्रसाद एवं एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह संयुक्त रूप से मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एसडीएम जूही प्रसाद ने राजस्व से संबंधित आए तीन मामलों का मौके पर ही अपने पर्यवेक्षण में निस्तारण कराया। उन्होंने राजस्व कर्मियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। एसीपी चंद्रपाल सिंह ने पुलिस से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए फरियादी उमाशंकर तिवारी डाल तिवारी का पूरा के प्रकरण में तत्काल पुलिस टीम उप निरीक्षक अमित कुमार यादव एवं अन्य को मौके पर भेजा और फरियादियों के मामले में पुलिस और राजस्व कर्मियों को निष्पक्ष कार्रवाई गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध जनता को न्याय दिलाने का काम करें इस दौरान थाना प्रभारी संतोष कुमार पांडेय, कानूनगो, लेखपाल सहित राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भिवंडी मनपा प्रभाग समिति तीन कार्यालय के सामने कचरे का अंबार,बदबू से फैल रही बीमारी

ठेकेदार व कर्मचारियों की उदासीनता पर भड़के समाजसेवक,इस्तीफे की किया मांग

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा के प्रभाग समिति तीन कार्यालय के सामने से रोजाना कचरा न उठाए जाने के कारण इन दिनों कचरे का अंबार लगा हुआ है।जिसके कारण उठाने वाले दुर्गंध व बदबू के कारण लोगों का न सिर्फ जीना दुश्वार कर दिया है।बल्कि स्थानीय लोग इस कारण तरफ तरफ की बीमारी की चपेट में फंस रहे है।जिसे लेकर लोगों में प्रशासन के प्रति घोर आक्रोश व्याप्त है।

स्थानीय निवासी व समाजसेवक रितेश जाधव ने बताया कि मनपा के प्रभाग समिति तीन कार्यालय के गेट के बगल में इन दिनों कचरे का ढेर लगा हुआ है।उन्होंने बताया कि रोजाना कचरा न उठाए जाने के कारण इस कारण इलाके में दमघोंटू बदबू उठ रही है। इसकी वजह से पैदा होने वाले मच्छरों के कारण इलाके के लोग डेंगू जैसे बीमारी के चपेट में फंस रहे है।साथ ही दूसरे इलाके में रहने वाले व प्रभाग कार्यालय में टैक्स आदि भरने के लिए आने वाले लोगों को भी कचरे के ढेर से मुंह बंद कर गुजरना पड़ता है।जबकि सफाई ठेकेदार व मनपा स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों के अनदेखी व अकर्मण्यता के कारण पूरे 16 नंबर वार्ड कचरे से पटा पड़ा है।रितेश जाधव ने आरोप लगाते हुए बताया कि इस वार्ड में कई दिनों तक कचरा नहीं उठाया जाता है।जिसके कारण लोग तरह तरह की बीमारियों से जूझ रहे है।वार्ड में दवा का छिड़काव व धुंआ न मारे जाने के कारण पूरे वार्ड में मच्छरों का आतंक बढ़ाते जा रहा है।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि जब ठेकेदार व मनपा कर्मी अपने कार्यालय के सामने से रोजाना कचरा नहीं उठा सकते है तो उनसे वार्ड की सफाई की क्या उम्मीद किया जाय? समाजसेवक रितेश जाधव ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मनपाकर्मियों से काम नहीं हो सकता तो सभी को सामूहिक रूप से इस्तीफा दे देना चाहिए।साथ ही उन्होंने मनपा आयुक्त अनमोल सागर व स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त विक्रम दराडे से सफाई निरीक्षक को निलंबित कर सफाई ठेकेदार का ठेका, काम में लापरवाही बरतने के कारण रद्द कर उसे ब्लैक लिस्टेड करने की मांग की है।हालांकि इस मामले में प्रभाग समिति दो के सहायक आयुक्त सुरेन्द्र भोईर से तथा उपायुक्त से इस संदर्भ में बात करने की कोशिश की गई ,लेकिन उन्होंने शनिवार का दिन होने के कारण कॉल उठाकर कुछ भी जवाब देने की जहमत नहीं उठाया।सफाई के अभाव में 16 नंबर वार्ड में प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ते जा रहा है।

भिवंडी में पूर्व भाजपा नेता के खिलाफ गैर-जमानती वारंट, पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिवंडी। संवाददाता

भिवंडी भाजपा शहर ज़िले के पूर्व सचिव बालमुकुंद शुक्ला को चेक बाउंस के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अदालत ने उन्हें 15 हजार रुपये के मुचलके और एक जमानतदार की गारंटी पर रिहा कर दिया। साथ ही, अदालत ने आरोपी को हर सुनवाई पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। शिकायतकर्ता पत्रकार फहीम अंसारी के अनुसार, एक आर्थिक लेनदेन के तहत बालमुकुंद शुक्ला ने उन्हें अभ्युदय को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का चार लाख रुपये का चेक दिया था। जब यह चेक बैंक में जमा किया गया, तो खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण चेक बाउंस हो गया। इसके बाद जब अंसारी ने शुक्ला से भुगतान की मांग की, तो उन्होंने भाजपा का नेता होने का रौब दिखाते हुए धमकी दी और पैसे लौटाने से इंकार कर दिया। अंसारी ने 9 सितंबर 2024 को भिवंडी अदालत में धारा 138 (चेक रिटर्न अधिनियम) के तहत मामला दर्ज कराया। इसके बाद बालमुकुंद शुक्ला ने पलटवार करते हुए शांतीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई कि उनका चेक चोरी हो गया है। अदालत की सुनवाई के दौरान शुक्ला कई बार गैरहाज़िर रहे, जिसके चलते अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (ँ) जारी किया। इसी वारंट के तहत 9 अक्टूबर 2025 की शाम भिवंडी शहर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर 10 अक्टूबर को अदालत में पेश किया,बालमुकुंद मिश्रा से मोबाइल द्वारा संपर्क करने पर उन्होंने बताया चेक चोरी के मामले की जांच जारी है। वही उन्होंने कहा कि भाजपा की मुख्य बाडी बर्खास्त हो चुकी है। अभी तक केवल शहर का अध्यक्ष चुना गया है।

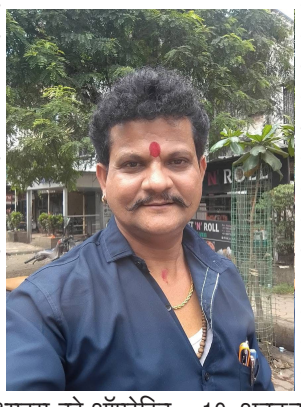

भिवंडी मनपा स्कूल, कोंबरपाड़ा में पानी शुद्धिकरण संयंत्र और पानी ठंडा करने की मशीन का उद्घाटन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी मंगेश यादव और विनोद येनागंदला द्वारा, एस आर ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के चेयरमैन रमाकांत पांडा द्वारा पूर्व नगरसेवक एड हर्षल पाटिल के प्रयत्न से भिवंडी मनपा स्कूल नंबर 28, कोंबरपाड़ा में पानी शुद्धिकरण संयंत्र और पानी ठंडा करने की मशीन जकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दान दी गई। जिसका उद्घाटन रमाकांत पांडा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में शिवम झा, कृष्णा गाजेंगी, राजू गाजेंगी, भावेश पाटिल के साथ ट्रस्ट के सदस्य मनीष यादव, समीर शेख, सुभाष पासवान, मुकेश चौबे, अजय यादव, मुकेश झा, मंजुलता दुबे, पूनम कनोजिया, स्कूल के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।इसके पहले उक्त संस्था ने धामनकर नाका इलाके में स्थित सत्यनारायण हिंदी हाई स्कूल में पानी शुद्धिकरण संयंत्र और पानी ठंडा करने की मशीन लगाकर दिया था।जिससे बच्चे को शुद्ध व साफ पानी पीने के लिए मिल रहा है।ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे इस कार्य की सराहना हो रही है।

स्वाभिमान श्री अंतर-विद्यालय वक्तृत्व प्रतियोगिता संपन्न विद्यार्थियों ने मराठी भाषाप्रति जताया अभिमान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अभिजात मराठी भाषा सप्ताह के उपलक्ष्य में स्वाभिमान सेवा संस्था की ओर से आयोजित 'स्वाभिमान श्री अंतर-विद्यालय वक्तृत्व प्रतियोगिता' उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। यह प्रतियोगिता संस्था के संस्थापक संतोष शेट्टी के जन्मदिन की पूर्वसंध्या पर पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव विद्यालय के स्व. पुष्पलता जाधव सभागृह में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भिवंडी महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के हस्ते दीपप्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर संस्थापक संतोष शेट्टी, अध्यक्ष हसमुख पटेल, विद्यालय के प्राचार्य सुधीर घागस, बी.एन.एन. महाविद्यालय के उपप्राचार्य डी.एल. अहिरे, पालिका जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी और सहायक आयुक्त सुरेंद्र गुलवी उपस्थित रहे।

उद्घाटन प्रसंगी अतिरिक्त आयुक्त डाके ने कहा कि मराठी भाषा हजारों वर्षों की परंपरा और समृद्ध साहित्यिक वारसा समेटे हुए है। इसे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अधिकाधिक प्रयोग में लाना समय की मांग है। वहीं, संतोष शेट्टी ने कहा, 'भले ही मराठी मेरी मातृभाषा नहीं, पर महाराष्ट्र मेरी कर्मभूमि है। अटकते हुए भी मराठी बोलने में गर्व महसूस होता है, और संस्था मराठी भाषा के प्रचार-प्रसार में सदैव योगदान देती रहेगी।'स्पर्धा दो गटों में आयोजित की गई – अ गट (कक्षा 5 से 8) तथा ब गट (कक्षा 9 से 12)। इसमें विभिन्न विद्यालयों के 38 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 'मराठी माझी मायबोली', 'मराठी संस्कृतीचा सुवास' और 'संत साहित्याची परंपरा' जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने ओघवती शैली में अपने विचार प्रस्तुत किए।

पुरस्कार विजेताः

अ गट में पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव विद्यालय की कस्तुरी श्रीनाथ भंडारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, एन.ई.एस. स्कूल के आराध्य करले द्वितीय तथा मनहा जमीर शेख तृतीय स्थान पर रहीं।

ब गट में बी.एन.एन. महाविद्यालय की कार्तिकी ज्ञानेश्वर पाटील ने प्रथम, आकांक्षा संककाळ ने द्वितीय और प्रतीक्षा गायकवाड ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को संस्थापक संतोष शेट्टी और अध्यक्ष हसमुख पटेल के हाथों नकद पुरस्कार, प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। प्रतियोगिता की सफलता में संयोजक सुधीर घागस, डी.एल. अहिरे, मानसी राजे और अभिजित म्हसकर का विशेष योगदान रहा।

भदोही-मिर्जापुर और वाराणसी देश के प्रमुख कारपेट क्लस्टर : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया 49वें इंडिया कारपेट एक्सपो का किया शुभारंभ

भदोही, 11 अक्टूबर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार कालीन नगरी भदोही में 49वें इंडिया कारपेट एक्सपो का उद्घाटन फीता काट कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी देश के प्रमुख कारपेट क्लस्टर हैं। जिन्होंने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश को वैश्विक पहचान दिलाई है।

कालीन उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे प्रोत्साहित करने के लिए 'इंडिया एक्सपो मार्ट' की स्थापना कराई। इसका उद्देश्य था कि यहां के बुनकरों को विश्व बाजार से सीधा जोड़ने का अवसर मिले।

चार दिवसीय यह आयोजन 11 से 14 अक्टूबर तक कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) के तत्वावधान में इंडिया एक्सपो मार्ट परिसर में शुरू हुआ है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बुनकरों और उद्यमियों से संवाद किया। उनकी समस्याएँ जानीं और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से उन्हें अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों से लगातार आयोजित हो रहे इस आयोजन ने हैंडमेड कालीनों के वैश्विक व्यापार में उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। अब विदेशी खरीदार सीधे भदोही आते हैं, यहीं के बुनकरों से संवाद करते हैं और यहीं से निर्यात के अनुबंध संपन्न होते हैं यह भदोही के गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार परंपरागत उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्ष 2018 में शुरू हुई वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना इसी दिशा का बड़ा कदम थी। उन्होंने बताया कि भदोही के कालीन उद्योग को ओडीओपी योजना में शामिल कर विशेष सुविधाएं दी गईं।

उन्होंने कहा कि 'प्रदेश में जो भी पारंपरिक शिल्पकार या बुनकर कार्य कर रहे हैं, सरकार उन्हें सामाजिक सुरक्षा, प्रशिक्षण, डिज़ाइन और ब्रांडिंग में सहयोग दे रही है। हर पंजीकृत बुनकर को 5 लाख रुपये की सुरक्षा गारंटी दी गई है,' उन्होंने बताया कि सरकार लगातार तकनीक और बाजार की माँग के अनुसार डिज़ाइन नवाचार पर बल दे रही है ताकि उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़े।

मुख्यमंत्री योगी ने केंद्र सरकार के हालिया जीएसटी सुधारों को व्यापार और उद्योग जगत के लिए ऐतिहासिक बताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार के इंडिया कारपेट एक्सपो में 88 देशों से 300 से अधिक विदेशी खरीदार शामिल हुए हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी है। आज जो दृश्य भदोही में है, वह दस वर्ष पहले कोई सोच भी नहीं सकता था। विदेशी खरीदार अब सीधे भदोही आकर स्थानीय बुनकरों से व्यापार कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर भारत की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों ने भारत को वैश्विक व्यापार के लिए आकर्षक गंतव्य बनाया है। भारत सरकार ने हाल के वर्षों में यूएई और यूके सहित कई देशों से व्यापारिक समझौते कर निर्यात संभावनाओं को और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री ने भदोही के शैक्षणिक विकास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि काशी नरेश कॉलेज को विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने की दिशा में काम शुरू हो चुका है। इससे क्षेत्र के युवाओं को उच्च शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण भी मिलेगा। यह विश्वविद्यालय कारपेट क्लस्टर को कुशल जनशक्ति उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि भदोही न केवल कालीन उद्योग का केंद्र बने, बल्कि कौशल और तकनीकी नवाचार का भी हब बने। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भदोही की कालीन केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। यह उद्योग सदियों पुरानी विरासत का संवाहक है। यहां के बुनकरों की मेहनत, कौशल और कला ही भदोही की पहचान है। एक्सपो जैसे आयोजन इस विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिला रहे हैं। भदोही की कालीन भारत की सांस्कृतिक पहचान मुख्यमंत्री ने सभी विदेशी प्रतिनिधियों, बुनकरों और आयोजकों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर और सशक्त बनाएगा।

तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आरक्षणः हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी सरकार, कांग्रेस को लगा है झटका

नई दिल्ली। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 फीसदी आरक्षण देने वाले सरकारी आदेश (जीओ) पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

हाईकोर्ट की अंतरिम रोक के बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अपने कैबिनेट सहयोगियों, तेलंगाना में एआईसीसी की पार्टी मामलों की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और कांग्रेस नेता व वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी के साथ आगे की कार्रवाई पर चर्चा की।

कांग्रेस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सरकार पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करना चाहती है और जल्द ही इस आदेश को लागू कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी।

इस बीच, राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि आयोग हाईकोर्ट के आदेश का अध्ययन कर रहा है। आयोग अपने आगे के कदमों को अंतिम रूप देने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेगा। हाईकोर्ट ने नौ अक्तूबर को स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने वाले आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

कोर्ट के इस रोक आदेश के बाद तेलंगाना राज्य निर्वाचन आयोग ने उसी दिन घोषणा की कि 29 सितंबर को ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों के लिए जारी मतदान सूचना और अन्य गतिविधियां तब तक स्थगित रहेंगी, जब तक आगे कोई सूचना नहीं आती।

नौ अक्तूबर को स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग को 42 फीसदी आरक्षम का प्रावधान करने वाले सरकारी आदेश पर रोक लगाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग संबंधित सीटों को सामान्य श्रेणी के तहत घोषित करेगा और चुनाव कराएगा।

कांग्रेस सरकार ने 26 सितंबर को चुनाव से पहले किए गए वादे को पूरा किया था, जब उसने स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने वाला आदेश जारी किया था। इस साल पहले राज्य विधानमंडल की ओर से पारित दो विधेयकों के बाद यह आदेश जारी किया गया, जिनका उद्देश्य शिक्षा, रोजगार और स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण 42 फीसदी तक बढ़ाना है।

गायक कुमार सानू ने व्यक्तित्व से जुड़े अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली।जानेमाने गायक कुमार सानू ने अपने नाम, आवाज, गायन शैली और तकनीक आदि सहित अपने व्यक्तित्व और प्रसिद्धि से जुड़े अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा 13 अक्टूबर को याचिका पर सुनवायी कर सकते हैं।

सानू ने अपनी याचिका में, अपने व्यक्तित्व और प्रसिद्धि से संबंधित अधिकारों की सुरक्षा का अनुरोध किया है, जिसमें उनका नाम, आवाज, गायन शैली और तकनीक और प्रस्तुतिकरण, गायन का तरीका, चित्र, कैरिकेचर, तस्वीर, समानता और हस्ताक्षर शामिल हैं। उन्होंने तीसरे पक्ष द्वारा अनधिकृत/बिना लाइसेंस के उपयोग और/या वाणिज्यिक उपयोग के खिलाफ भी सुरक्षा का अनुरोध किया, जिससे जनता के बीच भ्रम या धोखा होने की आशंका है। अधिवक्ता शिखा सचदेवा और सना रईस खान के माध्यम से दायर यह वाद कॉपीराइट अधिनियम के प्रावधानों के तहत सानू को उनके प्रदर्शन में प्रदत्त नैतिक अधिकारों के उल्लंघन से भी संबंधित है।

याचिका में दावा किया गया है कि प्रतिवादी सानू का नाम, आवाज, समानता और व्यक्तित्व निकालकर उनके व्यक्तित्व और प्रसिद्धि अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं। याचिका में दावा किया गया है कि गायक को विभिन्न जीआईएफ, ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग से भी पीड़ा हुई है, जिनमें उनके प्रदर्शन और आवाज शामिल हैं, जो उन्हें बदनाम करते हैं और उन्हें अशोभनीय हास्य का विषय बनाते हैं, जिससे उनके प्रदर्शन में उनके नैतिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। सानू अपनी आवाज, गायन शैली और तकनीक, गायन व्यवस्था और प्रस्तुतिकरण, गायन के तरीके और उनके चेहरे को बदलने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके बनाई गई सामग्री से भी व्यथित हैं।

गोयल ने कनाडा के समकक्ष के साथ की वर्चुअल बैठक, आर्थिक साझेदारी पर दिया गया जोर

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच हाल के दिनों रिश्ते तनावपूर्ण रहे। हालांकि मार्क कार्नी के कनाडा के पीएम बनने के बाद से दोनों देशों के रिश्ते में कुछ सकारात्मक पहल भी देखने को मिले। ऐसे में अब भारत और कनाडा के रिश्तों को और मजबूत करने के लिए साथ ही आर्थिक संबंधों में सुधार के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के बीच अहम चर्चा हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और कनाडा के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा नेताओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे, सम्मान और संतुलन पर आधारित साझेदारी को आगे बढ़ाने की बात भी कही।

बैठक को लेकर क्या बोले पीयूष गोयल?

कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ हुई इस बैठक के बारे में पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि हमने ऐसे अवसरों पर चर्चा की जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताओं का लाभ उठाते हुए व्यापार को आगे बढ़ा सकते हैं। मैंने जोर देकर कहा कि भारत-कनाडा के व्यापारिक रिश्ते आपसी सम्मान, विश्वास और संतुलन पर आधारित होने चाहिए।

इस बैठक को लेकर कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने भी कहा कि वे भारत के साथ आर्थिक जुड़ाव को गहरा करने और क्लीन टेक्नोलॉजी, एआई, कृषि, और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में नए व्यापारिक अवसरों पर काम कर रहे हैं।

अब समझिए क्यों अहम है ये बातचीत?

बता दें कि 2023 में कनाडा ने भारत के साथ चल रही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की बातचीत को रोक दिया था। इसके पीछे कारण था कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा एक सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत पर कथित संलिप्तता का आरोप लगाना। भारत ने इन आरोपों को बिल्कुल बेबुनियाद बताया था। हालांकि, दोनों देशों ने मार्च 2022 में एक अंतरिम व्यापार समझौता (ईपीटीए) को लेकर बातचीत दोबारा शुरू की थी। अब तक इस पर छह से ज़्यादा दौर की बातचीत हो चुकी है।

क्या कहते हैं व्यापारिक आंकड़े, ये भी समझिए

वहीं बात अगर दोनों देशों के बीच हुए व्यापार के आंकड़े की करें तो भारत का कनाडा को निर्यात 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 4.22 अरब डॉलर हो गया, जिसमें 9.8इ की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं कनाडा से आयात 4.55 अरब डॉलर से घटकर 2024-25 में 4.44 अरब डॉलर रह गया, जिसमें 2.33इ की गिरावट दर्ज की गई।

भारत-कनाडा के बीच रिश्तों में क्या?

गौरतलब है कि कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद रविवार से नई दिल्ली की यात्रा पर आ रही हैं। माना जा रहा है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच बिगड़े रिश्तों को सुधारने की दिशा में एक और सकारात्मक कदम है।

मनोरंजन

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग पूरी की

मुंबई : रणवीर सिंह , बॉबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की आने वाली फिल्म काफी चर्चा में है। सेट से झलकियां और लीक हुई तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में है। ऐसे में जब इस तिकड़ी को साथ में शूटिंग करते देखा गया, उसके बाद फैन्स के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई

यह जानने के लिए कि आखिर यह टीम किस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। टीम ने हाल ही में आखिरी शेड्यूल खत्म किया है, जिससे इस साल के सबसे बड़े और रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है।
फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, 'शूटिंग आराम से पूरी हो गई है और मेकर्स जल्द ही कुछ बड़ा करने की सोच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर अगले हफ्ते आ सकती है। रणवीर और श्रीलीला की जोड़ी बहुत अच्छी लगी है, जो नई, जोश से भरी हुई और दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।' फिलहाल फिल्म से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन फैंस का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में एक बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है।

सलमान खान ने नीलम गिरी को बताया 'कमज़ोर प्रतियोगी'; कहा 'सच कड़वा होता है'

मुंबई। वीकेंड का वार दर्शकों के लिए सबसे रोमांचक एपिसोड में से एक है क्योंकि होस्ट सलमान खान प्रतियोगियों से बातचीत करते हैं। बातचीत और कुछ मज़ेदार सेग्मेंट के अलावा, अभिनेता प्रतियोगियों को कड़ी सच्चाई का सामना भी कराते हैं और उनका सामना भी करते हैं। इस हफ़्ते, नीलम गिरी की बारी है क्योंकि उन्होंने घरवालों के साथ अपनी बहस से दर्शकों का ध्यान खींचा। प्रोमो में, सलमान खान नीलम गिरी से पूछते हैं कि जब टास्क

में गौरव गुप्ता को अपनी आलोचना साझा करने के लिए कहा गया था, तो वह हर प्रतियोगी से नाराज़ क्यों थे। फिर, वह उन्हें एक कमज़ोर प्रतियोगी बताते हैं, जो घर में किसी के भी सामने नहीं आ सकतीं।
जानते हैं न कि नीलम गिरी एक लोकप्रिय भोजपुरी अभिनेत्री हैं जो अपने आकर्षण से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। उन्होंने कई लोकप्रिय भोजपुरी संगीत वीडियो में काम किया है, जिन्हें 400-500 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। उत्तर प्रदेश के बलिया की रहने वाली नीलम ने पटना में अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने बाबुल, इज्जत घर, टुन टुन और कालाकांड जैसी फिल्मों में काम किया है।
'बिग बॉस 19' से जुड़ी अन्य खबरों की बात करें तो, शिखा मल्होत्रा और टिया कर के भी इसमें भाग लेने की उम्मीद है। शिखा की इंस्टाग्राम प्रोफाइल के अनुसार, वह एक एक्टर, सिंगर, परफॉर्मर और नर्सिंग ऑफिसर हैं। उन्होंने कई पोस्ट के ज़रिए 'बिग बॉस 19' में वाइल्ड कार्ड के तौर पर अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। वहीं, टिया कर एक सिंगर और गीतकार भी हैं। उन्होंने इंडियन आइडल और एशियन वेव्स में भी भाग लिया था। नीलम के अलावा, अन्य प्रतियोगी हैं: गौरव खन्ना, अमाल मलिक, अशनूर कौर, ज़ीशान कादरी, बसीर अली, अभिषेक बजाज, तान्या मित्तल, कुनिका सदानंद, शहबाज़ बदेशा, मालती चाहर, प्रणित मोरे, नेहल चुडासमा, मृदुल तिवारी और फरहाना भट।

कप्तान गिल ने विराट के रिकॉर्ड की बराबरी की, सचिन को छोड़ा पीछे; टेस्ट में जलवा कायम

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आज नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपना 10वाँ टेस्ट शतक जड़ा। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान बनने के बाद से ही वह लगातार रन बना रहे हैं। उनका नवीनतम शतक रिकॉर्ड तोड़ साबित हुआ क्योंकि गिल ने टेस्ट कप्तान के रूप में कई उपलब्धियाँ हासिल कीं और साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (ऊण) के इतिहास में भारत के लिए एक नया रिकॉर्ड भी बनाया।
26 वर्षीय यह खिलाड़ी अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (ऊण) के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ उनका शतक 10वाँ शतक बन गया, जिससे उन्होंने इस साल की शुरुआत में संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में नौ शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस बीच, शुभमन गिल ने एक साल में कप्तान के तौर पर सबसे ज़्यादा शतक लगाकर भारत के लिए विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब वह 2025 में पाँच शतक लगाएँ, जबकि कोहली ने अपने करियर में यह अद्भुत उपलब्धि दो बार हासिल की है। उन्होंने 2017 और 2018 में टेस्ट कप्तान के तौर पर पाँच-पाँच शतक लगाए और 2016 में भी चार शतक बनाए। कोहली 2016 से 2018 तक अपने बेहतरीन बल्लेबाज़ी फॉर्म में थे।

गिल की बात करें तो उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1997 में भारत के टेस्ट कप्तान रहते हुए चार शतक लगाए थे। इस मामले में रिकी पोंटिंग सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने 2006 में सात शतक लगाए थे। शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 10वें शतक के साथ कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 26 वर्षीय इस खिलाड़ी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कप्तान के रूप में अपना पाँचवाँ शतक जड़ा और पाकिस्तान के बाबर आज़म को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने देश की कप्तानी करते हुए चार शतक बनाए थे। कुल मिलाकर, इंग्लैंड के कप्तान के रूप में 100 से अधिक के आठ स्कोर के साथ जो रूट इस सूची में शीर्ष पर हैं।

संघर्षों से स्टारडम तक, मैदान और निजी जीवन की चुनौतियों से यूं लड़े हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। भारतीय टीम के प्रमुख खिलाड़ी हार्दिक पांड्या आज यानी की 11 अक्तूबर को अपना 32वां जन्मदिन मना रहे हैं। हार्दिक ने अपनी मेहनत के दम पर जो मुकाम हासिल किया, वह हर किसी को आसानी से नसीब नहीं होता है। हालांकि हार्दिक पांड्या के लिए यहां तक पहुंचना इतना आसान नहीं था। लेकिन उन्होंने अपने संघर्षों को भी खुलकर जिया। उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया और मेहनत के दम पर जो शोहरत हासिल की। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर हार्दिक पांड्या के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

गुजरात के सूरत शहर में एक साधारण परिवार में 11 अक्तूबर 1933 को हार्दिक पांड्या का जन्म हुआ था। इनके पिता हिमांशु गुजरात के सूरत में फाइनेंस का व्यापार करते थे। फिर साल 1998 में उनके पिता ने यह काम बंद कर दिया और परिवार के साथ वडोदरा आ गए। पिता हिमांशु खुद एक क्रिकेट प्रेमी रहे और हार्दिक को भी पिता से क्रिकेटर बनने की प्रेरणा मिली। घर की स्थिति सही नहीं होने के बाद भी हार्दिक पांड्या और उनके भाई किरण मोरे अकादमी

में भेजा, यहीं से हार्दिक के क्रिकेटर बनने की जर्नी शुरू हुई।

मुंबई इंडियंस की टीम में हुए शामिल

साल 2015 में आईपीएल की मुंबई इंडियंस की टीम ने हार्दिक पांड्या को खरीद लिया। मुंबई के साथ जुड़ने के बाद उनको भारतीय टीम में एंट्री की और साल 2016 में हार्दिक ने भारत के लिए अपना पहला मैच खेला था। भारतीय टीम में तेज गेंदबाजी की कमी को हार्दिक पांड्या ने भर दिया था। साल 2018 में हार्दिक ने ऑलराउंडर के रूप में खुद को पहचान दिलाई और साल 2018 में एशिया कप से उनका सफर शुरू हुआ था। लेकिन यह सीजन हार्दिक के लिए अच्छा नहीं रहा।

ट्रोलर के निशाने पर आए हार्दिक

पाकिस्तान के खिलाफ हार्दिक के पीठ में चोट लग गई थी। जिसके बाद हार्दिक कुछ मैच मिस कर बैठे और फिर जब उनकी टीम इंडिया में वापसी हुई तो वह एक बार फिर चोटिल हो गए। साल 2021 टी20 विश्व कप में हार्दिक के चुने जाने को लेकर काफी आलोचना हुई। उस समय हार्दिक न बल्ले और न गेंद से कुछ कर पा रहे थे। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच हारकर टीम इंडिया फिर विश्व कप से बाहर हो गई और फिर हर किसी ने हार्दिक को निशाना बनाना शुरू किया था। फिटनेस का साथ न मिल पाने के कारण हार्दिक को टीम से बाहर कर दिया गया था।
इसके बाद हार्दिक पांड्या ने कड़ी ट्रेनिंग की और फिर छ्ब्य् के जरिए क्रिकेट मैदान पर वापसी की और हार्दिक पांड्या ने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को पहली बार खिताब जिताया था। साल 2024 में हार्दिक ने मुंबई इंडियंस में वापसी हुई और उनको टीम की कमान सौंपी गई। लेकिन इस दौरान हार्दिक की कप्तानी में मुंबई टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। ऐसे में ट्रोलर्स ने हार्दिक को बीच मैदान में अपना शिकार बनाया।

पर्सनल लाइफ

हार्दिक पांड्या कि जिंदगी में काफी मुश्किलें आईं और उनकी लव लाइफ ने हार्दिक का साथ छोड़ दिया। साल 2024 में हार्दिक और नताशा ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया। सोशल मीडिया पर दोनों ने यह जानकारी दी। साल 2020 में हार्दिक और नताशा ने लॉकडाउन के दौरान शादी की थी। लेकिन कुछ समय बाद ही दोनों के बीच कुछ सही नहीं चला और इन दोनों की राहें अलग हो गईं। हालांकि हार्दिक और नताशा ने फैसला किया कि वह अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश मिलकर करेंगे।

महिला वनडे विश्व कप में 47 साल में आस्ट्रेलिया को सिर्फ तीन बार हरा सकी है भारतीय टीम

नई दिल्ली।भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप में पदार्पण के बाद से पिछले 47 साल में सात बार की चैम्पियन आस्ट्रेलियाई टीम को महज तीन बार हरा सकी है और आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में हुए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मिली जीत की सूत्रधार 171 रन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर थी जिनका बल्ला इस बार अभी तक खामोश है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच एक दिवसीय महिला विश्व कप में अब तक बारह मुकाबले खेले गए हैं जिनमे से नौ बार आस्ट्रेलिया (1978, 1982 में दो मैच, 1993, 1997, 2000, 2005, 2017 ,2022) ने जीत दर्ज की है जबकि भारत तीन बार (2009 में दो बार और 2017) ही जीत सका है।
विश्व कप में आस्ट्रेलिया पर पहली जीत के लिये इकतीस साल तक इंतजार करने वाली भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत इंग्लैंड में 2017 में सेमीफाइनल में रही। आस्ट्रेलिया ने ग्रुप चरण में मेग लानिंग (76) और एलिसे पैरी (दो विकेट) के प्रदर्शन के दम पर पूनम राउत के शतक को बेकार करते हुए भारत को आठ विकेट से हराया। भारत ने सेमीफाइनल में सारे बदले चुकता करते हुए आस्ट्रेलिया को 36 रन से मात दी और जीत की सूत्रधार रही मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत और स्पिनर दीप्ति शर्मा। हरमनप्रीत के 115 गेंद में 171 रन की मदद से भारत ने 42 ओवर में चार विकेट पर 281 रन बनाये।जवाब में आस्ट्रेलियाई टीम 40 . 1 ओवर में 245 रन पर आउट हो गई जिसमें दीप्ति ने तीन विकेट चटकाये।
फाइनल में इंग्लैंड ने भारत को नौ रन से हराया। भारतीय महिला टीम ने पहली बार विश्व कप में आस्ट्रेलिया को 2009 में हराया और वह भी उसकी ही धरती पर। पहले सुपर सिक्स चरण में और फिर तीसरे स्थान के मुकाबले में। अंजुम चोपड़ा ने सुपर सिक्स मैच में 137 गेंद में 76 रन बनाये जबकि गौहर सुल्ताना और रीमा मल्होत्रा ने दो दो विकेट लिये। इसके बाद तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में भी सिडनी में भारत ने आस्ट्रेलिया का तिलिस्म फिर तोड़ा जब कप्तान झूलन और प्रियंका रॉय के दो दो विकेट की मदद से भारत ने तीन विकेट से जीत दर्ज की। महिला वनडे विश्व कप की शुरूआत यूं तो 1973 में हुई लेकिन भारत ने पदार्पण 1978 में किया और आस्ट्रेलिया की टक्कर पहली बार इसी विश्व कप में पटना के मोईनुल हक स्टेडियम में हुई। यह विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में होना था लेकिन रंगभेद के चलते उसके बहिष्कार के कारण भारत को इसकी मेजबानी मिली।
भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की भागीदारी के बीच खेले गए टूर्नामेंट में मार्गरेट जेनिंग्स की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम ने और डायना एडुल्जी की भारतीय टीम को 71 रन से हराया था। फिर 1982 में शांता रंगास्वामी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड में बदले हुए प्रारूप (राउंड रॉबिन और फाइनल) में खेले गए विश्व कप में राउंड रॉबिन चरण में बारह में से चार मैच जीते लेकिन उसे आस्ट्रेलिया के हाथों तीनों मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा। ईडन पार्क पर खेले गए पहले ही मैच में आस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 153 रन से शिकस्त दी थी जबकि वेलिंगटन में दूसरा मैच आस्ट्रेलिया ने चार विकेट से जीता।
क्राइस्टचर्च में तीसरे मैच में आस्ट्रेलिया ने 39 रन से जीत दर्ज करके अपना दबदबा कायम रखा। आस्ट्रेलिया ने फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब बरकरार रखा था। भारत की शुभांगी कुलकर्णी ने टूर्नामेंट में 20 विकेट चटकाये थे। अगला महिला विश्व कप छह साल बाद 1988 में आस्ट्रेलिया में खेला गया। भारत को अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट परिषद द्वारा कराये गए इस विश्व कप में खेलने का न्योता मिला था लेकिन प्रायोजकों से पर्याप्त धनराशि जुटाने में असमर्थ रहने के कारण भारत को नाम वापिस लेना पड़ा।
इंग्लैंड में 1993 में हुए विश्व कप में रिकॉर्ड आठ टीमों ने भाग लिया और एडुल्जी की कप्तानी में भारत का प्रदर्शन ग्राफ बेहतर रहा। भारत ने ग्रुप चरण के सात मैचों में से चार जीते और तीन गंवाये। पहले ही मैच में वेस्टइंडीज को 63 रन से हराकर शानदार शुरूआत की लेकिन आस्ट्रेलिया के सामने फिर आसानी से घुटने टेक दिये। भारत को 58.4 ओवर में 108 रन पर आउट करने के बाद आस्ट्रेलिया ने 38.3 ओवर में तीन विकेट पर 114 रन बनाये।

पल्लो लटके सांग अपने हाई-एनर्जी बीट्स और जोशीले मूव्स के साथ डांस फ्लोर को जगमगाने के लिए तैयार है, फिल्म जटाधारा का नया गाना रिलीज़!

मुंबई। सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय से सजी फिल्म 'जटाधारा' का नया गाना 'पल्लो लटके' रिलीज़ हो गया है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जटाधारा', के विजुअली शानदार टीज़र और 'धना पिशाची' गीत के बाद, मेकर्स ने अब फिल्म का सबसे ज़बरदस्त डांस नंबर 'पल्लो लटके', पेश किया है, जो अपने हाई-एनर्जी बीट्स और जोशीले मूव्स के साथ हर डांस फ्लोर को जगमगाने के लिए तैयार है।
'पल्लो लटके' गीत में जहां सुधीर बाबू अपने स्टाइलिश लुक और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीत ले रहे हैं, वहीं श्रेया शर्मा अपनी ग्रेस और एनर्जी से हर फ्रेम में चार चांद लगा रही हैं। भव्य स्केल पर शूट किए गए इस गाने में विजुअली स्टनिंग कोरियोग्राफी के साथ दोनों की कैमिस्ट्री इस गाने को और भी धमाकेदार बना रही है। लोकप्रिय राजस्थानी लोकगीत 'पल्लो लटके' को 'जटाधारा' में एक नए अंदाज़ में पेश किया गया है, जहां पारंपरिक मेलोडी को आधुनिक बीट्स

और कटिंग-एज कोरियोग्राफी के साथ जोड़ा गया है।
'जटाधारा' में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे कई दिग्गज कलाकार हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। इस फिल्म के सह-निर्माता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा हैं, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भावना गोस्वामी हैं। फिल्म का दमदार म्यूज़िक ज़ी म्यूज़िक कंपनी द्वारा तैयार किया गया है।फिल्म 'जटाधारा' 07 नवंबर को हिंदी और तेलुगु में रिलीज़ होगी।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 44/2025

निविदा सं 20255020 जिसके खुलने की तिथि 10/10/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/95/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं– **Tender No. & short Description :** 20255020 **Description-** IGBT बेस्ड 3– फेज ड्राइव propulsion Equipments, **Tender Opening date:** From 10/10/2025, To 24/10/2025, अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in. देखें ।

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 42/2025

निविदा सं 81255196 जिसके खुलने की तिथि 10/10/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/97/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं– **Tender No. & short Description :** 81255196 **Description-manufacture** एंड सप्लाई ऑफ 1 (one) मीटर long फिश प्लेट, **Tender Opening date:** From 10/10/2025, To 21/10/2025, अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in. देखें

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2025/19. कार्य का नाम:** मरम्मत और रखरखाव अनुसूची ए, बी, सी और डी की जांच, जिसमें एक वर्ष के लिए सोलापुर डिवीजन की एलएचबी ट्रेनों की पावर कारों में लगे ग्रीव्स मेक डीए सेट की पावर कारों की एस्कॉर्टिंग शामिल है। **कार्य की लागत :** रू. 2,38,36,132.28/–, **बोली प्रतिभूति:** रू 2,69,200/–, **कार्य पुरा करने की अवधि :** 12 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन, **निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2025/20. कार्य का नाम:** मरम्मत और रखरखाव अनुसूची ए, बी, सी और डी की जांच, जिसमें एक वर्ष के लिए सोलापुर डिवीजन की एलएचबी ट्रेनों की पावर कारों में लगे कमिंस मेक डीए सेट की पावर कारों की एस्कॉर्टिंग शामिल है। **कार्य की लागत :** रू. 2,69,12,365.91/–, **बोली प्रतिभूति :** रू 2,84,600/–, **कार्य पुरा करने की अवधि :** 12 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन, **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय :** दि. 03/11/2025 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई–पेमेंट द्वारा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर करना है। ANJ-64

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

ई–निविदा सूचना क्र. 06-2025-GSU-Elect-G

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ईनिविदा आमंत्रित करते है। **01. कार्य का नाम :** कलबुर्गी स्टेशन पर नई पिट लाइन के प्रावधान से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा भाग का कार्य। (पुनः आमंत्रण), **02. अनुमानित लागत रु. :** रु. 1,76,96,884.34, **03. बयाना रक्कम :** रु. 2,38,500.00, **04. समापन की अवधी :** 12 (बारह) महीने, **05. अनुरक्षण की अवधी :** स्थापना के चालू होने/अधिग्रहण की तारीख से 12 (बारह) महीने। **06. वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय :** 03.11.2025 up to 15.00 hrs., **07. वेबसाइट ई निविदा खोलने की तारिख और समय :** 03.11.2025 after 15.30 hrs., **08. वेबसाइट विवरण :** www.ireps.gov.in, **09. निविदाकारों से निवेदन हैं की कोइ बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website:** www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे। ANJ-63

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–टेंडर निविदा क्र:–42-2025-COA-BZU-AMF-WR dt.: 10.10.2025 कार्य का नाम: नागपुर मंडल के बैतूल, आमला और वर्धा स्टेशनों पर क्षेत्रीय इंटरचेंज बिंदुओं पर (सीओए) कनेक्टिविटी के लिए मौजूदा डेटालॉगर नेटवर्क का विस्तार। **अनुमानित लागत:** Rs. 2444220/– **बयाना रकम:** Rs. 48900/– **निविदा बंद करने की तिथि तथा समय:** 03.11.2025 को 15.00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी रेल्वे वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे।

ANJ/36/239 DSTE(North)Nagpur

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार स्वस्थ भारत की नींव - डॉ जी एस तोमर

झूँसी, प्रयागराजः आरोग्य भारती एवं डॉ प्रीति हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में प्रवेक कल्प के सौजन्य से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के अन्तर्गत डॉ प्रीति हॉस्पिटल, झूँसी में 'स्त्री स्वास्थ्य एवं सुपोषण' विषय पर शनिवार 11 अक्टूबर को एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जी बी पंत की डायरेक्टर डॉ अर्चना सिंह जी उपस्थित रहीं । विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतीलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज के पूर्व शोध अधिकारी डॉ शांति चौधरी एवं त्रिवेणीपुरम् विकास एवं कल्याण समिति की सचिव पर्यावरणविद् डॉ निर्मला तोमर ने प्रतिभाग किया । कार्यक्रम के प्रारंभ में अमित त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया ।संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रीति त्रिपाठी ने की ।

अतिथि वक्ताओं में रोटेरियन श्रीमती गीतिका अष्ठाना ने 'सृजनात्मकता एवं स्वास्थ्य' विषय पर अपना उद्बोधन दिया एवं अपनी काव्य रचना को प्रस्तुत किया । उन्होंने बताया कि पारिवारिक दायित्व के साथ साथ हमें अपनी हॉबी को हमेशा जीवंत रखना चाहिए । कविता, गायन एवं नृत्य न केवल मन को प्रसन्नता एवं सकारात्मकता से भरते हैं अपितु सम्पूर्ण स्वास्थ्य को भी समुन्नत करते हैं । श्रीमती मोक्षदा सिंह ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि शिक्षा केवल नौकरी नहीं स्वावलंबन के दरवाज़े भी खोलती है । वनस्थली विद्यापीठ जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री लेने के बाद मैंने अपनी अभिरुचि को हमेशा जीवित रखा । यही कारण है कि मैंने मुम्बई से अपनी नौकरी छोड़ कर पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के साथ साथ 'क्रस्ट क्लाउड किचन' का प्रारम्भ किया । पारम्परिक आहार में नवाचार' विषय पर अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पिज़्ज़ा, नूडल्स, पास्ता एवं बर्गर जैसे पाश्चात्य खाद्यान्नों की तरफ बढ़ रहे नई पीढ़ी के झुकाव को देखते हुए हमें नवाचार के माध्यम से शुद्धता एवं गुणवत्ता से अपनी पारंपरिक आहार संस्कृति में बदलाव लाने की ज़रूरत है । शुद्धता एवं पौष्टिकता को आधार बनाकर नवाचार के माध्यम से स्वदेशी एवं पारम्परिक आहार व्यवस्था को पुनर्स्थापित करना हमारा दायित्व है । विशिष्ट अतिथि डॉ निर्मला तोमर ने अपने व्यक्तिगत जीवन में लिए गए दृढ़ संकल्प के माध्यम से कूड़े के अम्बार से पटे हुए पार्क को सुंदर ग्रीन पार्क में तब्दील करने की कहानी को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया । उन्होंने बताया कि हर काम सरकार के भरोसे न छोड़कर हमें अपनी संकल्प शक्ति से भी काम लेना होगा । डॉ निर्मला

ने बताया कि प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार हरे भरे पार्क के एक किलोमीटर की परिधि में रहनेवालों को एंग्जाइटी तथा डिप्रेशन जैसे मनोरोग नहीं होते ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भाव तथा नागरिक कर्तव्य जैसे पंच परिवर्तनों की आवश्यकता पर बल दिया । उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाने के साथ साथ उनका संरक्षण बहुत ज़रूरी है । निरंतर बढ़ते हुए पर्यावरण प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि दस पुत्रों से अधिक एक वृक्ष का महत्व है । अतः हम जो प्रकृति से लेते हैं बदले में कम से कम दस वृक्ष लगाना हम सबका दायित्व होना चाहिए । कुछ सक्सेज स्टोरीज़ का ज़िक्र करते हुए उन्होंने इस संकल्पना को प्रमाणित किया । बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ शांति चौधरी ने कहा एक महिला को स्वास्थ्य की जानकारी देना पूरे परिवार के स्वास्थ्य की गारंटी है । मोतीलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज के सेवा काल मे मैंने इसे प्रत्यक्ष अनुभव किया है । मुख्य अतिथि डॉ अर्चना सिंह ने सामाजिक समरसता एवं महिलाओं की वैचारिक स्वतंत्रता को किसी भी समाज की उन्नति का आधार बताया । उन्होंने कहा हमें आखरिं छोर पर खड़ी उस नारी के स्वास्थ्य तक परियोजनाओं को पहुंचाना है तभी समग्र विकास संभव है । उन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया । अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में लोकप्रिय एवं ख्याति लब्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रीति त्रिपाठी ने चिकित्सा को मात्र धनार्जन का साधन न मानते हुए सेवा का सशक्त माध्यम भी बताया एवं चिकित्सा को सभी पुण्य कर्मों में श्रेष्ठ बताया । उन्होंने कहा झूँसी जैसे क्षेत्र में महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एनआईसीयू सहित सभी सुविधाओं से युक्त चिकित्सालय की स्थापना के पीछे यही पुनीत उद्देश्य छिपा है । मेरा प्रयास रहता है कि मैं अपने रोगियों के प्रति करुणा एवं मैत्री का भाव स्थापित करते हुए उन्हें आवश्यक औषधियों के साथ साथ उचित खान पान की जानकारी भी साझा करूँ । कार्यक्रम के अंत में अनुराग अष्ठाना ने धन्यवाद ज्ञापित कर शांति मंत्र के साथ समापन किया । संचालन आरोग्य भारती के उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर ने किया । इस अवसर पर आरोग्य भारती महानगर सचिव बृजेन्द्र श्रीवास्तव, अखिलेन्द्र सिंह, अंकुर सिंह सहित विविध क्षेत्रों से लगभग पचास पुरुष एवं महिलाएँ उपस्थित रहीं ।

अयोध्या दीपोत्सव की भव्य तैयारीः 28 लाख दीयों से बनेगा नया वर्ल्ड रिकॉर्ड!

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा कि शहर में नौवें दीपोत्सव के तहत अयोध्या में सरयू नदी के किनारे 56 घाटों को लगभग 28 लाख दीपों से रोशन किया जाएगा। पहली बार, लक्ष्मण किला घाट भी इस उत्सव में शामिल होगा, जिससे यह उत्सव और भी भव्य हो जाएगा। घाट को 1.25 लाख से ज़्यादा दीपों से रोशन किया जाएगा। राज्य सरकार ने बताया कि राम की पैड़ी और चौधरी चरण सिंह घाटों पर लगभग डेढ़ लाख दीये जलाए जाएँगे, जबकि भजन संध्या घाट भी डेढ़ लाख दीयों से जगमगाएगा। उत्सव का मुख्य आकर्षण, राम की पैड़ी, 15-16 लाख दीयों से जगमगाएगी।

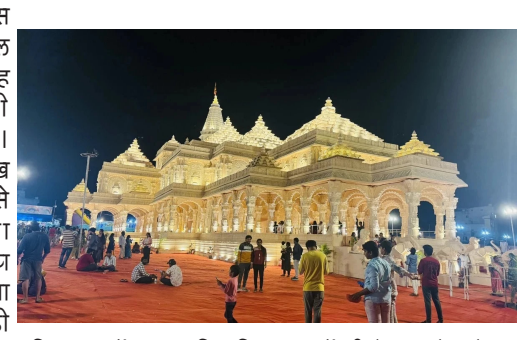

पिछले वर्षों में अयोध्या के दीपोत्सव को गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है। इस वर्ष, आयोजकों का लक्ष्य 28 लाख दीये जलाकर उस रिकॉर्ड को तोड़ना है। इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार, प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों की टीमें अथक प्रयास कर रही हैं। सजावट, सुरक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आगंतुकों के आतिथ्य सत्कार के लिए व्यापक तैयारियाँ चल रही हैं। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र की देखरेख में, महोत्सव के हर पहलू की निगरानी के लिए 22 समितियों का गठन किया गया है।

बयान में कहा गया है कि प्रमुख समितियों में समन्वय, अनुशासन, सुरक्षा, दीप गणना, यातायात, स्वच्छता, मीडिया एवं फोटोग्राफी, प्राथमिक चिकित्सा, सजावट, रंगोली, स्वयंसेवकों की पहचान पत्र, और निगरानी एवं नियंत्रण शामिल हैं।

कोलकाता में मूक-बधिर युवती से बलात्कार , एक गिरफ्तार

कोलकाता में शनिवार तड़के एक व्यक्ति ने 20 वर्षीय मूक-बधिर युवती के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कथित घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद गिरफ्तारी की गई। उन्होंने बताया कि यह घटना शहर के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में नडियाल इलाके में रात करीब 12:30 बजे हुई।

अधिकारी ने बताया कि महिला को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी चिकित्सा जांच की जा रही है। उन्होंने घटना का ब्यौरा

दिए बिना बताया कि विशेष सूचना के आधार पर नडियाल पुलिस थाने के अधिकारियों ने छापेमारी की और शनिवार सुबह करीब 6:35 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने कहा, आरोपी से फिलहाल पूछताछ की जा रही है और उसे बाद में स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

बिहार चुनाव से पहले जदयू में अरुण कुमार की 'घर वापसी', क्या नीतीश को मिलेगा चुनावी बूस्टर?

पटना। बिहार चुनाव की तारीखें नज़दीक आने के साथ, जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मुखर आलोचक रहे, 11 अक्टूबर को जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) में फिर से शामिल हो गए। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' और राज्य इकाई के अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की मौजूदगी में उन्हें पार्टी में फिर से शामिल किया गया। पूर्व विधायक अरुण कुमार ने अपनी पार्टी में शामिल होने की घोषणा करते हुए कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में मुझे फिर से बिहार की जनता की सेवा करने का अवसर मिला है। बिहार राज्य विकास के पथ पर अग्रसर है और मैं आप सभी को विश्वास दिलाता

हूँ कि हम बिहार में फिर से अपनी सरकार बनाएंगे।

अरुण कुमार के साथ उनके कई समर्थक भी शनिवार को जदयू में शामिल हुए। अरुण कुमार का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' ने कहा, 'अरुण जी, हम शुरू से ही आपके साथ हैं। आप रास्ते में कहीं बिछड़ गए थे, लेकिन फिर से साथ आ गए हैं, और हम आपका तहे दिल से स्वागत करते हैं। यह आपका पुराना घर है। आप इस घर में आराम से रह सकते हैं, और आपको जो भी सामान चाहिए, हम उसका ध्यान रखेंगे। हम इस जदयू में सभी का स्वागत करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अरुण कुमार और जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी मगध की धरती पर तूफान लाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने अभी अरुण कुमार और चंदेश्वर चंद्रवंशी को गले मिलते देखा। वे मगध क्षेत्र में तूफान लाएंगे।' इससे पहले, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने बुधवार को कहा था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सत्ता में वापसी के लिए तैयार है। पत्रकारों से बात करते हुए ललन सिंह ने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात है कि चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। हम इसका इंतज़ार कर रहे थे। 14 नवंबर को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार फिर से बनेगी।' 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

भारत से रिश्ते सुधारने में लगे ट्रंप, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने की जयशंकर ने मुलाकात

वांशिगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की, जो सीनेट द्वारा उनकी नियुक्ति की पुष्टि के बाद छह दिवसीय नई दिल्ली यात्रा पर हैं। जयशंकर नें पर पोस्ट किया आज नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत-पदनामित सर्जियो गोर से मिलकर प्रसन्नता हुई। भारत-अमेरिका संबंधों और इसके वैश्विक महत्व पर चर्चा हुई। उन्हें उनकी नई ज़िम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, 9 से 14 अक्टूबर तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान गोर के साथ प्रबंधन एवं संसाधन उप-सचिव माइकल जे. रिगास भी मौजूद रहेंगे।

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अमेरिका रणनीतिक और व्यापारिक संबंधों को मज़बूत करने के लिए काम कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीके तलाश रहे हैं। अमेरिकी

दूतावास के अनुसार, हाल ही में भारत पहुँचे गोर बाद में औपचारिक रूप से अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी शनिवार को गोर से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साझा किया विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके बीच भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और इसकी साझा प्राथमिकताओं पर उपयोगी बातचीत हुई। विदेश सचिव ने मनोनीत राजदूत गोर को उनके कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दीं। इससे पहले, जयशंकर ने 24 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र के दौरान गोर से मुलाकात की थी, जहाँ दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर चर्चा की थी। मुलाकात के बाद, अमेरिकी विदेश विभाग ने एक्स पर साझा किया, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत और भारत में राजदूत नामित सर्जियो गोर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान भारत के विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की। वे अमेरिका-भारत संबंधों की सफलता को और बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं।

गाजा विरोध में पाकिस्तान लहूलुहानः पुलिस-इस्लामी समूह झड़प में 11 की मौत, तनाव गहराया

लाहौर। लाहौर में शनिवार को पुलिस और इस्लामी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के बीच हिंसक झड़पें जारी रहीं, क्योंकि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को राजधानी की ओर बढ़ने से रोकने की कोशिश की, जहाँ वे फ़िलिस्तीन समर्थक रैली निकालने वाले थे। पंजाब पुलिस को 'इज़राइली गुंडे' बताते हुए, तहरीक-ए-लब्बैक ने दावा किया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें उसके 11 सदस्य मारे गए और 50 से ज़्यादा घायल हो गए। सुबह से अब तक टीएलपी के 11 लोग मारे जा चुके हैं। लगातार गोलाबारी और गोलीबारी हो रही है।

इज़राइल द्वारा गाजा में की गई हत्याओं के विरोध में गुरुवार को शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन शनिवार को और तेज़ हो गया जब पुलिस ने कई जगहों पर

प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें द डॉन की रिपोर्ट के अनुसार दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। लाहौर के आज़ादी चौक के पास झड़पें तेज़ हो गईं, जहाँ कई पुलिस वाहनों में आग लगा दी गई और कई अधिकारी घायल हो गए।

कई इलाकों में पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए, शिपिंग कंटेनर रख दिए और यहाँ तक कि खाइयाँ भी खोद दीं ताकि टीएलपी के हज़ारों प्रदर्शनकारियों को, जिनका नेतृत्व संगठन के प्रमुख साद रिज़वी कर रहे थे, इस्लामाबाद की ओर अमेरिकी दूतावास के पास प्रदर्शन के लिए जाने से रोका जा सके। लाहौर इस्लामाबाद से लगभग 370 किलोमीटर दूर है। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को बड़ी भीड़-भाड़ से बचने और अपने आस-पास के वातावरण के प्रति सचेत रहने की सलाह दी है।

हवा में ही गला घोंट देंगे, पुतिन की ट्रंप को अब तक की सबसे बड़ी धमकी

मास्को। डोनाल्ड ट्रंप ने लाख कोशिश की कि यूक्रेन और रूस का युद्ध खत्म हो जाए लेकिन पुतिन ने आईना दिखाते हुए डोनाल्ड ट्रंप की बात को न सिर्फ दरकिनार कर दिया बल्कि ये तक कह दिया कि वो किसी शर्तों के आगे झुकने वाले नहीं है। ट्रंप ने पुतिन को अपने घर बुलाया। अलास्का में बैठक करवाई। लेकिन उसके बाद भी पुतिन डोनाल्ड ट्रंप की शर्तो के आगे झुके नहीं। अब ऐसे में ट्रंप इस कदर बौखला गए हैं कि वो पुतिन के खिलाफ नई नई रणनीति अपना रहे हैं और यूक्रेन को भरपूर हथियार भी पहुंचा रहे हैं। अमेरिका के इस कदम से रूस भड़क उठा है।

यूक्रेन को लेकर पुतिन की अब तक की सबसे बड़ी धमकी सामने आई है। मसला इस बात से शुरू हुआ कि अमेरिका ने रूस के खिलाफ एक नई घोषणा की है, जिसके हिसाब से यूक्रेन को टॉम क्रूज मिसाइलें मिलेंगी। इसी को लेकर मॉस्को ने बड़ी चेतावनी दी है। रूसी संसद की रक्षा समिति के प्रमुख आंद्रेई कार्तापोलोव ने कहा कि अगर वाशिंगटन यूक्रेन को टॉमहॉक दे देता है। तो रूस उन मिसाइलों को हवा में ही ध्वस्त कर देगा और लॉन्च साइट्स पर हमला करेगा। हम इन मिसाइलों को अच्छी तरह जानते हैं, ये कैसे उड़ती हैं, इन्हें कैसे मार गिराया जाता है; हमने सीरिया में इनके साथ काम किया है, इसलिए इसमें कुछ भी नया नहीं है। समस्याएँ केवल उन लोगों के लिए होंगी जो इन्हें आपूर्ति करते हैं और जो इन्हें इस्तेमाल करते हैं; समस्याएँ वहीं होंगी।

कार्तापोलोव के हवाले से यह भी कहा गया कि मास्को को अभी तक इस बात के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि यूक्रेन टॉमहॉक्स के लिए प्रक्षेपण स्थल तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कीव को ऐसी मिसाइलें मिलती हैं, तो वह इसे छिपा नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ, तो रूस किसी भी लॉन्चर को नष्ट करने के लिए ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल करेगा।

व्हाइट हाउस ने नोबेल समिति की आलोचना की, कहाः राजनीति को शांति से ऊपर रखा

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को नोबेल शांति पुरस्कार समिति की आलोचना करते हुए उस पर वैश्विक शांति में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के योगदान को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

ट्रंप विभिन्न असत्यापित दावों के आधार पर इस सम्मान को पाने की कोशिश करते रहे हैं, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने का दावा भी शामिल है। व्हाइट हाउस अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय है।

व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, नोबेल समिति ने साबित कर दिया है कि वे राजनीति को शांति से अधिक प्राथमिकता देते हैं।

यह बात वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार का विजेता घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद कही गई। चेउंग ने कहा कि ट्रंप शांति समझौते कराना, युद्ध समाप्त कराना और लोगों की जान बचाना जारी रखेंगे। उनका हृदय मानवतावादी है।

चेउंग की टिप्पणी के कुछ ही देर बाद, ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को धन्यवाद दिया, जिन्होंने नोबेल पुरस्कार न जीतने के बावजूद उनके शांति प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद! एक प्रश्न के उत्तर में पुतिन ने ताजिकिस्तान के दुशांबे में संवाददाताओं से कहा कि ट्रंप वर्षों और यहां तक ??कि दशकों से चले आ रहे जटिल संकटों को हल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं।

ट्रंप शांति समझौतों, विशेष रूप से अब्राहम समझौते, के माध्यम से इजराइल और कई अरब देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने का श्रेय लेते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कई बार कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष सहित आठ युद्धों को समाप्त कराने के लिए वह नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं।

यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड पर रूसी हमले से कीव में बाधित बिजली आपूर्ति बहाल

कीव। यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड पर रूस द्वारा बड़े हमलों के कारण देश के अधिकतर हिस्सों में बिजली गुल होने के एक दिन बाद शनिवार को कीव में 8,00,000 से अधिक निवासियों के लिए बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी 'डीटीईके' ने शनिवार को कहा कि बिजली आपूर्ति बहाल करने का मुख्य कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन शुक्रवार के रूसी हमलों के कारण यूक्रेनी राजधानी में मामूली स्तर पर कटौती अब भी जारी है।

रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में शुक्रवार तड़के कीव में कम से कम 20 लोग घायल हो गए, आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा और यूक्रेन के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई।

यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने इस हमले को यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर "सबसे बड़े केंद्रित हमलों में से एक" बताया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि हमलों का निशाना यूक्रेन की सेना को बिजली आपूर्ति करने वाले ऊर्जा बुनियादे ढांचे थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)